लखनऊ

शनिवार, 2 मई, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 248

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"समय का सही उपयोग करना सीख लो, यही आदत आपकी जिंदगी भर सफलता दिलाएगी।"

TODAY WEATHER

DAY 42° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

ओसीआई प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल, आवेदन से लेकर अपील तक हुआ बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। गृह मंत्रालय ने नागरिकता (संशोधन) नियम, 2026 को अधिसूचित करते हुए 2009 के पुराने नियमों में बड़ा बदलाव किया है। नए नियमों के तहत प्रवासी भारतीय नागरिक (ह्रष्टद्ब) कार्ड से जुड़ी प्रक्रियाओं को पूरी तरह डिजिटल बना दिया गया है, जिससे आवेदन, पंजीकरण और अपील की प्रक्रिया अब पहले से अधिक सरल, पारदर्शी और तेज हो जाएगी। नई व्यवस्था के अनुसार, ह्रष्टद्ब कार्ड के लिए आवेदन करने और उसे छोड़ने की पूरी प्रक्रिया अब ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से होगी। पहले जहां कागजी दस्तावेजों की जरूरत होती थी, अब उसे समाप्त कर डिजिटल प्रणाली लागू की गई है। इसके साथ ही सरकार ने द्व-ह्रष्टद्ब सुविधा भी शुरू की है, जिसके तहत आवेदकों को फिजिकल कार्ड के साथ इलेक्ट्रॉनिक पंजीकरण की सुविधा भी दी जाएगी। राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार, नाबालिग बच्चों से जुड़ा एक अहम नियम भी स्पष्ट किया गया है। अब कोई भी नाबालिग एक साथ भारतीय और किसी अन्य देश का पासपोर्ट नहीं रख सकेगा। पहले यह शर्त केवल घोषणा के रूप में थी, लेकिन अब इसे नियम का हिस्सा बना दिया गया है।

जबलपुर क्रूज हादसे में अब तक 9 मौतें, 23 की बची जान; राहत एवं बचाव कार्य अब भी जारी

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित बरगी डैम में हुआ क्रूज हादसा बेहद दर्दनाक और झकझोर देने वाला है। नर्मदा नदी के बैकवाटर में तेज हवाओं और ऊंची लहरों के बीच पर्यटकों से भरा एक क्रूज अचानक डूब गया। अब तक 9 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि 23 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। इस हादसे ने कई परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है। दिल्ली निवासी प्रदीप कुमार इस हादसे में किसी तरह बच गए, लेकिन उनकी पत्नी और 4 साल का बेटा अब भी लापता हैं। प्रदीप ने हादसे की भयावह आपबीती सुनाते हुए क्रूज प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि क्रूज पर सुरक्षा व्यवस्था बेहद कमजोर थी। क्रू के दो सदस्य मौजूद थे, लेकिन हालात बिगड़ने पर उन्होंने यात्रियों को उनके हाल पर छोड़ दिया। प्रदीप के अनुसार, समय पर किसी को लाइफ जैकेट तक उपलब्ध नहीं कराई गई। यात्रियों ने खुद ही एक-दूसरे की मदद से लाइफ जैकेट पहनी। उन्होंने बताया कि जब लहरें तेज होने लगीं, तब किनारे पर मौजूद लोगों ने चालक को क्रूज वापस लाने की सलाह दी थी, लेकिन चालक शुरुआती प्वाइंट तक जाने पर अड़ा रहा। कुछ ही देर बाद क्रूज पानी में डूब गया। हादसे के बाद बरगी डैम के आसपास चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों और बचाव दल ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया। अब तक 9 शव बरामद हो चुके हैं। ताजा जानकारी के मुताबिक, हादसे के लगभग 12 घंटे बाद गोताखोरों ने एक महिला का शव निकाला है। शवों के मिलने के साथ ही परिजनों की उम्मीदें टूटती जा रही हैं, हालांकि कई परिवार अब भी अपने प्रियजनों के लौटने की आस लगाए हुए हैं। घटना के बाद मध्य प्रदेश सरकार ने तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू कराया। कैबिनेट मंत्री राकेश सिंह और मंत्री धर्मेंद्र लोधी पूरी रात घटनास्थल पर मौजूद रहे और रेस्क्यू ऑपरेशन की निगरानी करते रहे। डूबे हुए क्रूज को बाहर निकालने के प्रयास भी किए गए।

60 यात्रियों से भरी बस पलटी: बुद्ध पूर्णिमा पर जा रहे थे गंगा नहाने, 25 अस्पताल में भर्ती

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

शाहजहांपुर। यूपी के हरपालपुर से 60 यात्रियों को बैठाकर फर्रुखाबाद आ रही प्राइवेट बस शाहजहांपुर के अल्लाहगंज थाना क्षेत्र में गांव रघुनाथपुर के पास शुक्रवार को ओवरटेक करने के दौरान पलट गई। इससे 25 यात्री घायल हो गए। इनमें 11 को लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। अन्य वहीं उपचार हुआ। बस में सवार अधिकांश यात्री बुद्ध पूर्णिमा के चलते पांचाल घाट पर गंगा स्नान करने जा रहे थे।

हरदोई जनपद के हरपालपुर से सुबह प्राइवेट बस में करीब 60 यात्री सवार हुए। चालक बस को तेजी भगा रहा था। कुछ यात्रियों ने उससे सही से बस चलाने के लिए भी कहा। पर उसने

एक नहीं सुनी। इस बीच गांव रघुनाथपुर के पास आगे चल रहे वाहन को ओवर टेक करने के प्रयास में बस पलट गई। इससे चीख पुकार मच गई। पुलिस व आसपास के ग्रामीणों ने बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला। इसमें 25 यात्री घायल हो गए। एंबुलेंस से 11 घायल यात्रियों को लोहिया अस्पताल भेजा गया है। इनमें से नौ को भर्ती कर लिया गया। दो यात्रियों को मरहम पट्टी के बाद छुट्टी दे दी गई। घटना की जानकारी होने पर एसीएमओ डॉ. रंजन गौतम, एसडीएम सदर रजनीकांत पांडेय ने सीओ अभय वर्मा लोहिया अस्पताल में पहुंच कर मरीजों का हाल जाना है। हरदोई थाना पाली के गांव पांडेयपुरवा निवासी राधिका(45), नन्हीं देवी (60), सवायजपुर गांव सलउद्दीपुर के विश्व प्रताप सिंह (31), मिलरगवां की उमाकांती (55), माहरेपुर की गुड्डी (55), रामदेवी (65), अनुष्का (8) पुत्री प्रदीप पाल, नंदबाग के रामलड़ैते (47), जदुवीर सिंह (60), गोकुल बेहटा के गांव रामपुर मानपुर के रंजीत सिंह, अमरेखा के राजू (30) को लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया।

महिला के कुंडल व छह हजार रुपये सिपाही ने नहीं दिए

लोहिया अस्पताल में भर्ती हरदोई जिले के थाना सवायजपुर क्षेत्र के गांव मिरगवां निवासी घायल उमाकांती के पुत्र राहुल ने बताया कि बस पलटने पर उनकी मां के कुंडल व छह हजार रुपये वहीं गिर गए थे। बस से निकालने के दौरान एक सिपाही ने कुंडल व रुपये उठा लिए थे। मांगने उसने कहा कि पहले अस्पताल जाकर इलाज कराओ बाद में थाने आकर ले जाना। पर जब राहुल रुपये व कुंडल मांगने गया तो सिपाही ने रुपये व कुंडल लेने से ही इनकार कर दिया। इससे परेशान व्यवस्था कोसता रहा।

होटल-रेस्तरां में खाना हुआ महंगा, सब्सिडी वाली रसोई गैस की कालाबाजारी रोकने के लिए केंद्र सख्त, राज्यों को दिए निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। कमर्शियल एलपीजी सिलिंडरों की कीमतों में रिकार्ड बढ़ोतरी के बाद केंद्र सरकार अब इस बात के पुख्ता इंतजाम करने में जुट गई है कि, सब्सिडी वाले घरेलू एलपीजी सिलिंडरों की ब्लैक मार्केटिंग कमर्शियल सेक्टर में न हो पाए।अब इन दोनों के बीच करीब दो हजार रुपये का फर्क हो गया है, जिससे डायवर्शन की आशंका बढ़ गई है। गुरुवार को देर शाम पेट्रोलियम मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी सरकारी तेल कंपनियों (आईओसीएल, बीपीसीएल, एचपीसीएल) और राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सचिवों के साथ विस्तृत विचार विमर्श किया। बैठक में ब्लैक मार्केटिंग (कालाबाजारी) और होर्डिंग (जमाखोरी) को रोकने के लिए तत्काल कदमों पर चर्चा हुई।

सरकारी तेल कंपनियों (ओएमसी) ने शुक्रवार से 19 किलो के कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर (जो होटल, रेस्तरां और छोटे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में इस्तेमाल होते हैं) की कीमत 993 रुपये बढ़ा दिए हैं। दिल्ली में अब यह सिलिंडर 3,071.50 की हो गई है, जो पहले 2,078.50 रुपये की थी। यह अब तक की सबसे बड़ी एकल बढ़ोतरी है। 5 किलो के छोटे एफटीएल (फ्री ट्रेड एलपीजी) सिलिंडर की कीमत भी 261 रुपये बढ़ाई गई हैं। ये सिलेंडर आमतौर पर गरीब परिवार, मजदूर और अकेले रहने वाले छात्र इस्तेमाल करते हैं। इससे पहले 1 अप्रैल को 195.50 और मार्च को 114.50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी हो चुकी थी।

इस हिसाब से तीन महीनों में 19 किलो कमर्शियल सिलिंडर की कुल बढ़ोतरी 1,303 रुपये हो गई है। दूसरी तरफ ओएमसी की तरफ से स्पष्ट किया गया है कि, आम घरों में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलो सब्सिडी वाले सिलिंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पेट्रोल व डीजल की खुदरा कीमतों में भी कोई वृद्धि नहीं की गई है।

ब्लैकमार्केटिंग का खतरा बढ़ा

इस बढ़ोतरी के बाद 19 किलो के कमर्शियल सिलिंडर और सब्सिडी वाले 14.2 किलो घरेलू सिलिंडर के बीच मूल्य अंतर काफी बढ़ गया है। ऐसे में किसी भी तरह की गड़बड़ी को तुरंत रोका जाए, यह सुनिश्चित करने के लिए राज्यों को और सख्त निर्देश दिए गए हैं। देश भर में एलपीजी की होर्डिंग और ब्लैक मार्केटिंग पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कार्रवाई जारी है। बुधवार (29 अप्रैल) को पूरे देश में 2,300 से अधिक छापेमारी की गई। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने औचक निरीक्षण तेज कर दिए हैं। अब तक 336 एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप पर जुर्माना लगाया जा चुका है, जबकि 72 डिस्ट्रीब्यूटरशिप को सस्पेंड कर दिया गया है। 29 अप्रैल 2026 को 50 एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए और 11 डिस्ट्रीब्यूटरशिप पर जुर्माना थोपा गया।

'हमारे फैसले सोनिया गांधी लेती हैं', कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद पर बदलाव को लेकर खरगे का बड़ा बयान

कलबुर्गी। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का एक बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने साफ कहा है कि फिलहाल सिद्धारमैया ही सीएम रहेंगे। हालांकि, अपने बयान में कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा है कि हमारे फैसले सोनिया गांधी लेती हैं। उनके बयान को लेकर भाजपा ने उन्हें कटघरें में लाकर खड़ा कर दिया है। यहां तक कि उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष होने तक पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

भाजपा नेता पर घर में घुसकर मारपीट का आरोप, ग्रामीणों का प्रदर्शन, दी पलायन की चेतावनी

आर्यावर्त क्रांति

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर के ककरौली क्षेत्र में भाजपा नेता पर घर में घुसकर मारपीट करने के आरोप को लेकर शुक्रवार को ग्रामीणों में आक्रोश देखने को मिला। पीड़ित परिवार और ग्रामीणों ने गांव में प्रदर्शन करते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। आरोप है कि भाजपा नेता अशोक वर्मा और उनके बेटों ने व्यापारी नरेश कुमार गुप्ता के घर में घुसकर उनके साथ मारपीट की। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस से शिकायत की, लेकिन उनका आरोप है कि पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया।

बताया जा रहा है कि दो दिन पहले हुई इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जो सामाजिक माध्यमों पर तेजी से फैल रहा है। वीडियो सामने आने के बाद ग्रामीणों में रोष और बढ़

गया। घटना के विरोध में नरेश कुमार गुप्ता और उनके परिजनों ने गांव में धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के समर्थन में सैकड़ों ग्रामीण और करीब दो दर्जन व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखे और आरोपी के खिलाफ नाराजगी जताई।

पलायन का लगाया था बोर्ड

पीड़ित पक्ष ने पुलिस पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए गांव से पलायन करने की तैयारी भी कर ली थी और अपने मकान पर पलायन का बोर्ड लगा दिया था। इससे गांव में तनाव की स्थिति बन गई।

पुलिस ने मांगा दो दिन का समय

स्थिति को शांत कराने के लिए ककरौली पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई के लिए दो दिन का समय मांगा। पुलिस के आश्वासन के बाद पीड़ित पक्ष शांत हुआ और मकान से लगाए गए पलायन के बोर्ड भी हटा दिए गए।

आमिर खान का चौंकाने वाला खुलासा, स्ट्रेस में लिखते हैं मंसूर खान को नोट, बोले- 'अगर मैं मर गया तो...'

नई दिल्ली, एजेंसी। आमिर खान और मंसूर खान का रिश्ता काफी पुराना है। दोनों कजिन हैं और इन्होंने साथ मिलकर आमिर खान की डेब्यू ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कयामत से कयामत तक' दी थी। हाल ही में एक बातचीत में आमिर खान ने बताया कि वह हर बार फ्लाइट में बैठने से पहले मंसूर खान के लिए एक 'सीक्रेट नोट' लिखते हैं।

आमिर खान ने 'द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया' से बात करते हुए कहा, 'जब शूट खत्म हो जाता है और हम फाइनल पोस्ट-प्रोडक्शन में होते हैं, तो मैं हमेशा मंसूर के लिए एक नोट लिखता हूं।'

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे हमेशा बहुत स्ट्रेस हो जाता है, यह सोचकर कि अगर मेरा प्लेन क्रैश हो गया या मेरी मौत हो गई तो फिल्म का क्या होगा। इसलिए मैं डायरेक्टर से कहता हूं कि मंसूर की सलाह लें और मैं मंसूर से कहता हूं कि वह इसे संभालें। मैं हर बार फ्लाइट में बैठने से पहले ऐसा करता हूं।'

किरण राव को भी दी है सलाह

सिर्फ नोट ही नहीं, आमिर खान ने अपनी एक्स-वाइफ किरण राव को भी कहा है कि अगर उनके साथ कुछ हो जाए, तो बाकी काम के लिए मंसूर खान की सलाह जरूर लें। आमिर ने आगे कहा, 'वह एक ऐसे इंसान हैं जिनकी समझ पर मुझे पूरा भरोसा है। मैंने किरण से कई बार कहा है कि अगर मुझे कुछ हो जाए, तो हर चीज मंसूर से पूछकर करना।' इस पर मंसूर खान ने रिएक्शन देते हुए कहा, 'मुझे इसके बारे में हाल ही में पता चला है और अब मैं बहुत प्रेशर में हूं।'

चुनाव आयोग कितना तैयार, सीएम ममता के आक्रामक तेवरों के बीच सीईओ मनोज अग्रवाल क्या बोले?

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में मतगणना से पहले सुरक्षा और पारदर्शिता को लेकर प्रशासन ने कड़े इंतजाम किए हैं। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज अग्रवाल ने शुक्रवार को स्पष्ट कहा कि मतगणना केंद्रों पर किसी भी तरह की गड़बड़ी की कोई संभावना नहीं है, क्योंकि स्ट्रॉन्ग रूम की चौबीसों घंटे सीसीटीवी निगरानी की जा रही है।

उन्होंने कहा कि ईवीएम जिन स्ट्रॉन्ग रूम में रखी गई हैं, वहां लगातार निगरानी हो रही है और आम लोग भी बाहर से लगे मॉनिटर के जरिए स्थिति देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि बिना ठोस कारण और सबूत के आरोप लगाना उचित नहीं है। जो शिकायतें सामने आ रही हैं, वे निराधार हैं।

रानजीनित स्तर पर भी बढ़ी सतर्कता

इस बीच राजनीतिक स्तर पर भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। सीएम ममता के निर्देश पर तृणमूल कांग्रेस (TMC) के कार्यकर्ता और उम्मीदवार मतगणना केंद्रों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। पार्टी प्रवक्ता और बेलेघाटा सीट से उम्मीदवार कुनाल घोष ने कहा कि पार्टी के पोलिंग एजेंट्स और उम्मीदवारों को खास तौर पर सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। घोष ने यह भी आशंका जताई कि शाम के समय जब डाक मतपत्र (पोस्टल बैलेट) मतगणना केंद्रों पर लाए जाते हैं, उस दौरान अनधिकृत गतिविधियों की संभावना हो सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए पार्टी ने अपने प्रतिनिधियों को चौकन्ना रहने को कहा है।

सुरक्षा व्यवस्था हुई और कड़ी

कोलकाता के खुदीराम अनुशीलन केंद्र, जहां उत्तर और पूर्व कोलकाता की कई विधानसभा सीटों की मतगणना होनी है और ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम मौजूद हैं, वहां सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, अतिरिक्त केंद्रीय अर्धसैनिक बल (CAPF) और सशस्त्र पुलिस बल तैनात किए गए हैं। संयुक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) रूपेश कुमार ने इलाके का दौरा करने के बाद बताया कि सुरक्षा व्यवस्था अतिरिक्त पुलिस आयुक्त और डिप्टी कमिश्नर स्तर के अधिकारियों की निगरानी में की जा रही है। साथ ही, सीसीटीवी मॉनिटर देखने के लिए अधिकृत व्यक्तियों को पहचान पत्र जारी किए गए हैं, ताकि किसी भी तरह की अनधिकृत पहुंच को रोका जा सके। वहीं, राज्य सरकार की मंत्री शशि पांजा ने भी केंद्र का दौरा किया और कहा कि पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है।

बंगाल में मतगणना से पहले बढ़ा सियासी तनाव, ममता बनर्जी के आरोपों पर भाजपा बोली- दीदी के चेहरे पर हार का डर साफ दिख रहा है

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले कोलकाता में सियासी माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया है। तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच ईवीएम को लेकर आरोप प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। हम आपको बता दें कि गुरुवार रात मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अचानक सखावत मेमोरियल गर्ल्स हाई स्कूल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। यह वही स्थान है जहां भवानीपुर सीट की ईवीएम मशीनें रखी गई हैं। मुख्यमंत्री देर रात तक वहां मौजूद रहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें कई स्थानों से ईवीएम में गड़बड़ी की जानकारी मिली है, जिसके बाद वह खुद स्थिति देखने पहुंचीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शुरुआत में केंद्रीय बलों ने उन्हें अंदर जाने से रोका, लेकिन निर्वाचन नियमों के अनुसार उम्मीदवार और चुनाव एजेंट को सील कक्ष तक जाने की अनुमति होती है। बाद में उन्होंने संबंधित अधिकारी से अनुमति लेकर अंदर प्रवेश किया। उनके इस कदम ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी। वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी के नेता शुभेन्दु अधिकारी ने मुख्यमंत्री के आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया। उन्होंने कहा कि ईवीएम को लेकर संदेह जताना मुख्यमंत्री की पुरानी आदत है और यह उनकी संभावित हार के डर को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हर चुनाव से पहले ऐसे आरोप लगाना तृणमूल कांग्रेस की रणनीति का हिस्सा बन चुका है।

इस पूरे घटनाक्रम के बीच चुनाव आयोग और प्रशासन की ओर से भी स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की गई। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल ने कहा है कि मतगणना केंद्रों पर किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की कोई संभावना नहीं है और सभी स्ट्रॉन्ग रूम चौबीस घंटे सीसीटीवी निगरानी में हैं, जिसे बाहर से भी देखा जा सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बिना ठोस प्रमाण के लगाए गए आरोप निराधार हैं। इसी बीच कलकत्ता हाईकोर्ट ने मतगणना में केंद्रीय कर्मियों की नियुक्ति के खिलाफ दायर याचिका को खारिज करते हुए कहा कि यह निर्वाचन आयोग का अधिकार क्षेत्र है और इसमें कोई अवैधता नहीं है।

हम आपको बता दें कि भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र, जहां मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता आमने सामने हैं, इस बार सबसे अधिक चर्चा में है। इसी क्षेत्र में गुरुवार को उस समय तनाव और बढ़ गया जब भाजपा कार्यकर्ताओं ने तृणमूल कांग्रेस के एक वाहन को रोक लिया। भाजपा कार्यकर्ताओं का आरोप था कि वाहन में संदिग्ध सामग्री ले जाई जा रही है और इसका उपयोग ईवीएम में छेड़छाड़ के लिए किया जा सकता है।कुछ कार्यकर्ताओं ने खुले तौर पर आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस नकली मशीनें लाकर उन्हें बदलने की कोशिश कर सकती है। इस दौरान मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया ताकि स्थिति नियंत्रण में रहे। वहीं मुख्यमंत्री ने इन आरोपों के बीच यह भी कहा कि उनकी पार्टी ईवीएम से छेड़छाड़ के लिए की जाने वाली हर तरह की कोशिश को विफल करेगी। उन्होंने चुनाव आयोग पर भी पक्षपात का आरोप लगाया और कहा कि उनके दल के एजेंटों को गिरफ्तार किया गया है तथा कई जगह एकतरफा कार्रवाई हो रही है। इसी विवाद के बीच राज्य की मंत्री शशि पांजा ने भी चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि स्ट्रांग रूम से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी किसी भी राजनीतिक दल को पहले से नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि एक कमरे को बिना किसी दल के प्रतिनिधि की मौजूदगी में खोला गया, जो नियमों के खिलाफ है। शशि पांजा ने दावा किया कि कैमरों में कुछ लोगों की गतिविधियां नजर आईं, जबकि वह कमरा पूरी तरह सील होना चाहिए था। उन्होंने यह भी कहा कि वहां गुलाबी लिफाफों में रखे डाक मतपत्र दिखाई दिए, जिससे संदेह और गहरा हो गया।

शेर अली का बेटा बना महेश, लाल सिंह के घर जन्मा इस्लाम, मनरेगा फर्जीवाड़ा में ग्राम प्रधान सस्पेंड

नेवादा बौसर में मनरेगा में धांधली उजागर हुई है। सरकारी धन का गबन हुआ। आरोपितों पर कार्रवाई की जा चुकी है। अंतिम जांच उपनिदेशक कृषि को सौंपी गई है। जांच रिपोर्ट आने के बाद जो भी दोषी मिलेंगे, कठोर कार्रवाई की जाएगी। कोई बच नहीं पाएगा।

मनोज कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी

आर्यावर्त संवाददाता

महाराजपुर। सरसौल ब्लाक के नेवादा बौसर ग्राम पंचायत में हुए मनरेगा घोटाले में ग्राम प्रधान को निलंबित कर वित्तीय व प्रशासनिक अधिकार सीज कर दिए गए। तीन सदस्यीय टीम की जांच में भ्रष्टाचार की परतें खुलीं तो सभी हैरान रह गए। वर्ष 2020 से 2023 तक मनरेगा में मजदूरी भुगतान के नाम पर किए गए फर्जीवाड़े में नियम व कानून ताक पर रख दिए गए थे।

गांव के लाल सिंह के जाब कार्ड में फर्जी तरीके से इस्लाम, बराती, अवधेश व धनीराम पारिवारिक सदस्य के रूप में दर्ज मिले जबकि लालसिंह के एक ही बेटा भूरा है। इसी प्रकार शेर अली के जाब कार्ड में महेश को बेटा दिखा दिया गया।

शहजाद अली के नाम से दो जाब कार्ड बनाकर दोनों के मस्टर रोल जारी कर दिए गए। अभिलाष पुत्र भरत के नाम जाब कार्ड जारी किया गया जबकि जांच में इस नाम का कोई भी व्यक्ति गांव का निवासी ही नहीं मिला।

अंधेरगर्दी ऐसी कि इसी जाब कार्ड में चार लोगों को पारिवारिक सदस्य दिखाकर लगभग 300 कार्य दिवस की मजदूरी का भुगतान करा लिया गया। जांच में एक नहीं ऐसे कई मामले मिले जिससे भ्रष्टाचारी बेनकाब हो गए।

प्रधान के दोनों बेटों ने भी मनरेगा मजदूरी का उठाया भुगतान

शिकायतकर्ता भारतीय किसान यूनियन के नेता रवि प्रताप सिंह ने बताया कि भ्रष्टाचार के आरोपित प्रधान समरजीत सिंह यादव के दोनो बेटों धर्मवीर व कर्मवीर ने भी मनरेगा मजदूरी का भुगतान उठाया है जबकि दोनों उच्च शिक्षित हैं। आरोप है कि प्रधान के भाइयों व भतीजों को भी लाभ पहुंचाया गया। सही जांच हो जाए तो बड़ा गबन सामने आएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री से मिले दुर्गेश मिश्र, गीत के माध्यम से उठाई जनपद की समस्याएं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जनपद के कटका बाजार निवासी समाजसेवी दुर्गेश मिश्र ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मुलाकात कर क्षेत्रीय समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इस दौरान उन्होंने एक अनोखे अंदाज में जनपद की जमीनी हकीकत को सामने रखते हुए गीत के माध्यम से अपनी बात रखी, जिसे सुनकर उपस्थित लोग भी भावुक हो उठे।

दुर्गेश मिश्र ने अपने गीत में वर्तमान समय की प्रमुख समस्याओं जैसे बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई, युवाओं की परेशानियां और आम जनता के संघर्ष को मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि जनपद सुल्तानपुर समेत आसपास के क्षेत्रों में युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पा रहे हैं, जिससे उनमें निराशा बढ़ रही है। वहीं लगातार बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दुर्गेश मिश्र की प्रस्तुति को गंभीरता से सुना और उनके प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं को इस तरह रचनात्मक तरीके से सामने लाना सराहनीय है और इससे समाज में जागरूकता बढ़ती है। साथ ही उन्होंने भरोसा दिलाया कि आम जनता के मुद्दों को हमेशा प्राथमिकता दी जाएगी।

मुलाकात के दौरान दुर्गेश मिश्र ने पूर्व सरकार में किए गए विकास कार्यों का भी उल्लेख किया और उनके समर्थन में गीत प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि जनता आज भी उन कार्यों को याद करती है और उम्मीद करती है कि भविष्य में फिर से विकास की वही गति देखने को मिलेगी। इस मुलाकात के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह के प्रयास जनप्रतिनिधियों तक जनता की आवाज पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मजदूर दिवस पर संयुक्त मजदूर मंच ने भरी हुंकार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस (मई दिवस) के अवसर पर शुक्रवार को शहर के राजीव गांधी पार्क में संयुक्त मजदूर मंच द्वारा एक विशाल सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ताओं और मजदूरों ने एकजुट होकर अपने अधिकारों के प्रति आवाज बुलंद की।

सभा को मुख्य रूप से कॉमरेड अशोक शुक्ला (संयोजक सीटू, अध्यक्ष यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन एवं पूर्व केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य) ने संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने मजदूरों के गौरवशाली इतिहास और उनके संघर्षों पर प्रकाश डाला। मई दिवस केवल एक अवकाश नहीं, बल्कि दुनिया भर के उन मजदूरों के बलिदान का प्रतीक है जिन्होंने काम के घंटे तय करने और गरिमापूर्ण जीवन के लिए अपना खून बहाया। आज के दौर में श्रम कानूनों में किए जा रहे बदलाव और निजीकरण की नीतियों ने कामगारों के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। हमें बैंक, रेल, बीमा और अन्य सरकारी संस्थानों को बचाने के लिए एक बड़ा और संगठित आंदोलन खड़ा करना होगा। सभा में वक्ताओं ने वर्तमान आर्थिक नीतियों की आलोचना करते हुए निम्नलिखित मुद्दों पर जोर दिया। श्रम सुधारों के नाम पर शोषण नए लेबर कोड्स को मजदूर विरोधी बताते हुए उन्हें वापस लेने की मांग की गई। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के बेतहाशा निजीकरण को देश की अर्थव्यवस्था और रोजगार के लिए घातक बताया गया। असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के लिए न्यूनतम वेतन और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की गई।

संयुक्त मजदूर मंच के बैनर तले आयोजित इस कार्यक्रम में बैंक कर्मचारी संगठनों, बीमा क्षेत्र, चिकित्सा प्रतिनिधियों और सीटू से जुड़े सैकड़ों पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अंत में शहीद मजदूरों को मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई और उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया गया।

मुरादाबाद में बस की सीट के लिए संग्राम! यूनिवर्सिटी के छात्रों ने कर ली थी गैंगवार की तैयारी... अचानक पहुंची पुलिस

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। मुरादाबाद की आईएफटीएम (IFTM) यूनिवर्सिटी में बस की सीट को लेकर शुरू हुआ छात्रों के दो गुटो में विवाद देखते ही देखते गैंगवार जैसी स्थिति में बदल गया। छात्रों के दो गुटों के बीच कई दिनों से चल रहा तनाव बृहस्पतिवार को उस समय खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया, जब दोनों पक्ष हथियारों के साथ आमने-सामने आ गए। समय रहते पुलिस को सूचना मिल गई, जिसके बाद बड़ी घटना टल गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो छात्रों को अवैध तमंचे और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। मामला पाकबड़ा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार, विवाद की शुरुआत यूनिवर्सिटी बस में सीट पर बैठने को लेकर हुई थी। धीरे-धीरे यह मामला छात्रों की आपसी रंजिश में बदल गया। बताया जा रहा है कि दोनों गुट कई दिनों से एक-दूसरे को धमकियां दे रहे थे। गुरुवार रात बागड़पुर अंडरपास के पास दोनों गुट भिड़ने की तैयारी में थे और उनके पास अवैध हथियार भी मौजूद थे।

पाकबड़ा पुलिस को जैसे ही सूचना मिली कि कुछ छात्र तमंचे और कारतूस लेकर इकट्ठा हुए हैं, तुरंत इलाके में घेराबंदी कर चेकिंग अभियान शुरू कर दिया गया। पुलिस को मौके पर पहुंचता देख कई छात्र भाग निकले, लेकिन पुलिस ने पीछा कर दो युवकों को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उनके पास से 315 बोर का अवैध तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए।

गिरफ्तार छात्रों की पहचान कुनाल चाहर निवासी छजलैट, मुरादाबाद और निखिल चौहान निवासी अमरोहा देहात के रूप में हुई है। दोनों आईएफटीएम यूनिवर्सिटी में बीसीए के छात्र बताए जा रहे हैं।

पूछताछ में छात्रों ने दावा किया कि उन्होंने हथियार अपनी सुरक्षा के लिए रखे थे, लेकिन पुलिस ने इसे गंभीर अपराध मानते हुए दोनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया। वहीं यूनिवर्सिटी प्रशासन ने भी मामले को गंभीर बताते हुए कहा है कि अनुशासनहीनता और कानून तोड़ने वाले छात्रों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नारद जयंती पर सुल्तानपुर में भव्य कार्यक्रम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। देवर्षि नारद जयंती के पावन अवसर पर शुक्रवार को नगर के मेहमान रेस्टोरेंट में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचार विभाग द्वारा मोहनपुर इकाई के संयोजन में सुबह 11.00 बजे संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. बीके झा ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए काशी प्रांत के प्रचार प्रमुख डॉ. मोराजी त्रिपाठी ने कहा कि पत्रकारों को अपने दायित्व का बोध देवर्षि नारद के आदर्शों से लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के दौर में कलम चलाना अत्यंत चुनौतीपूर्ण कार्य हो गया है, ऐसे में पत्रकारिता को समाज को "अमंगल से मंगल" की ओर ले जाने का माध्यम बनना चाहिए। उन्होंने देवर्षि नारद को पत्रकारिता का जनक बताते हुए कहा कि उनका जीवन सत्य, संवाद और लोककल्याण का प्रतीक रहा है। डॉ. त्रिपाठी ने यह भी कहा कि नारद मुनि न केवल विष्णु भक्त के रूप में पूजनीय हैं, बल्कि उन्हें संगीत का प्रणेता भी माना जाता है। पत्रकारिता का मूल उद्देश्य भी समाज में सत्य, शिव और सुंदर के भाव को स्थापित करना है, जिसे सत्यम-शिवम-सुंदरम के रूप में समझा जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. बीके झा ने अपने उद्बोधन में सभी उपस्थित पत्रकारों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पत्रकार समाज का आईना होता है और उसकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित जनपद के सुप्रसिद्ध सर्जन डॉ. ए.के. सिंह ने कहा कि देवर्षि नारद के जीवन से प्रेरणा लेकर पत्रकारों को वर्तमान समय में संतुलन बनाए रखते हुए समाजहित में कार्य करना चाहिए।

इस अवसर पर विभाग श्री प्रकाश, डॉ राधाकृष्णन विभाग बौद्धिक शिक्षण प्रमुख शक्ति प्रकाश साजिला कार्यवाह अभिषेक नीरज विजय सहित अनेक पत्रकारों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिससे कार्यक्रम की शोभा और भी बढ़ गई।

यूपी में आंधी–तूफान और बारिश ने लील ली 24 जिंदगियां, खतरा अभी भी बरकार... अलर्ट जारी

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। यूपी में पिछले दो दिनों तक हुई भारी बारिश, तेज आंधी और आकाशीय बिजली ने भारी तबाही मचाई है। इस प्राकृतिक आपदा में अब तक 24 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 15 लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा 16 पशुओं की भी मौत हो गई है। प्रदेश के कई जिलों में बारिश के साथ तेज हवाएं और बिजली गिरने की घटनाएं भी दर्ज की गईं, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस प्राकृतिक आपदा पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

जानकारी के अनुसार, कई जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश और बिजली गिरने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। खेतों में काम कर रहे किसान, खुले स्थानों पर मौजूद लोग और कच्चे मकानों में रहने वाले परिवार सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। कई जगह पेड़ गिरने, बिजली आपूर्ति बाधित होने और जलभराव जैसी समस्याएं भी सामने आई हैं।

मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि राज्य सरकार हर प्रभावित परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि घायलों को तुरंत बेहतर इलाज उपलब्ध कराया जाए और अस्पतालों में सभी जरूरी चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

मुआवजा देने के निर्देश

सीएम योगी ने विशेष रूप से निर्देश दिया है कि जनहानि, पशुहानि और घायलों को 24 घंटे के भीतर मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने जिलाधिकारियों और संबंधित अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्य तेज करने के आदेश दिए हैं। साथ ही चेतावनी दी है कि राहत कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में लगातार राहत कार्य में जुटी हुई हैं। घर-घर जाकर नुकसान का आकलन किया जा रहा है और जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाई जा रही है। वहीं मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक कई जिलों में भारी बारिश, तेज आंधी और बिजली गिरने की आशंका जताई है।

जारी किया गया अलर्ट

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों, खेतों और पेड़ों के नीचे जाने से बचें और बिजली चमकने के समय सुरक्षित स्थानों पर रहें। लगातार बिगड़ते मौसम को देखते हुए पूरे प्रदेश में अलर्ट जारी कर दिया गया है।

एसी के कॉपर तार चोरी का खुलासा, कबाड़ डीलर पर शिकंजा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। शहर में एसी के कॉपर पाइप और तार चोरी के मामलों में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कई आरोपितों को गिरफ्तार किया है। नगर कोतवाली पुलिस की टीम जिसमें महिला और पुरुष सिपाही शामिल थे, चौक क्षेत्र स्थित एक बर्तन दुकानदार के यहां पहुंची और पूछताछ की।

सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने एसी के कॉपर पाइप चोरी करने वाले चोरों के साथ-साथ चोरी का सामान खरीदने वाले कबाड़ डीलर (रिसीवर) को भी गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि संबंधित दुकानदार चोरी का कॉपर तार गुपचुप तरीके से खरीदता था। पकड़े गए आरोपितों ने पूछताछ में खुलासा किया कि वे बंद पड़े दफ्तरों और सुनसान मार्केट को निशाना बनाकर एसी के आउटडोर यूनिट से कॉपर पाइप और तार काटकर चोरी करते थे। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से कॉपर तार के कई बंडल भी बरामद किए हैं।

गौरतलब है कि गर्मी बढ़ने के साथ शहर में एसी कॉपर चोरी की घटनाओं में तेजी आई है। बस स्टेशन क्षेत्र और गोपालदास इलाके में एक चिकित्सक के यहां भी ऐसी घटनाएं सामने आई थीं। सुपर मार्केट में भी मेडिकल दुकानदारों को इस तरह की चोरी से हजारों रुपये का नुकसान हुआ है। सूत्रों का कहना है कि इस तरह की चोरी में लिप्त अधिकांश आरोपी नशे के आदी होते हैं, जो कटर की मदद से बिना आवाज किए कुछ ही मिनटों में कॉपर पाइप काट लेते हैं। फिलहाल, नगर कोतवाली पुलिस चोरी के सामान की खरीद-फरोख्त में शामिल अन्य कबाड़ डीलरों की तलाश में जुटी हुई है और आगे भी कार्रवाई जारी रहने की संभावना है।

ग्रेटर नोएडा में मिलेंगे 2500 सस्ते फ्लैट्स, 300 बेड वाले अस्पताल और हॉस्टल की भी सुविधा

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। गौतम बुद्ध नगर और आसपास के औद्योगिक क्षेत्र में काम करने वाले हजारों श्रमिकों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। प्राधिकरण ने श्रमिकों के लिए सस्ते आवास बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और रहने की सुविधा उपलब्ध कराने की बड़ी योजना तैयार की है। इसका मकसद मजदूर वर्ग को बेहतर जीवन स्तर देना और औद्योगिक विकास को मजबूती देना है प्राधिकरण ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट के पतवाड़ी गांव के पास करीब 5 एकड़ जमीन चिन्हित की है।

यहां 2500 से अधिक किफायती फ्लैट बने जाएंगे यह फ्लैट खासतौर पर फैक्ट्री और औद्योगिक इकाइयों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए होंगे। ताकि उन्हें काम के पास ही सस्ता और सुरक्षित आवास मिल सकेगा।

अधिकारियों के अनुसार, इन फ्लैट्स का डिजाइन इस तरह तैयार किया जा रहा है कि कम लागत में बेहतर सुविधाएं मिल सके। इससे श्रमिकों को किराए की समस्या से राहत मिलेगी और उनका जीवन स्तर भी सुधरेगा। 2500 फ्लैट की योजना को लेकर अब जमीन चिन्हित करने के बाद इसकी रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी। मंजूरी मिलते ही इस पर काम शुरू किया जाएगा और साथ ही नॉलेज पार्क 5 में 350 बेड का ईएसआईसी अस्पताल श्रमिकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए बनाने की भी योजना है।

इसके लिए 7 एकड़ से अधिक जमीन पहले ही आवंटित की जा चुकी है और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है। यह अस्पताल खासतौर पर ईएसआईसी कार्ड धारकों और औद्योगिक कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत साबित होगा यहां आधुनिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी जिससे श्रमिकों को बेहतर इलाज मिल सकेगा और उन्हें दूर दराज के अस्पतालों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

कामकाजी महिलाओं के लिए अलग हॉस्टल

आवास के साथ-साथ श्रमिकों को रहने के लिए चार हॉस्टल बनाने की भी योजना तैयार की गई है। यह हॉस्टल औद्योगिक सेक्टर इकोटेक 3, 6, 12 और इकोटेक 1 एक्सटेंशन में बनाए जाएंगे। महिलाओं के लिए भी अलग से हॉस्टल बनाए जाएंगे। इसके लिए इकोटेक 2 में और इकोटेक 1 में महिलाओं के लिए अलग से हॉस्टल बनाई जाएंगे। इन हॉस्टल में सुरक्षा और सुविधाओं का खास ध्यान रहा जाएगा, ताकि महिलाएं सुरक्षित माहौल में रह सके और अपने काम पर ध्यान दे सके।

इकोटेक- 3 सेक्टर में एक श्रमिक सुविधा केंद्र भी शुरू किया जाएगा, जहां श्रमिकों और उद्योगों को जोड़ने का काम किया जाएगा। यहां दो रजिस्टर रखे जाएंगे। एक में श्रमिकों का विवरण और दूसरे में उद्योगों की जरूरत। इस व्यवस्था से कंपनी को आसानी से जरूरत के अनुसार श्रमिक मिल सकेंगे और श्रमिकों को भी रोजगार पाने में सुविधा होगी। इसके साथ ही श्रमिकों और कर्मचारियों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग भी लगाए जाएंगे। इन शिविरों में ईएसआईसी कार्ड धारकों को मोस्ट चिकित्सा परामर्श और जांच की सुविधा मिलेगी। ये सेवाएं रोजाना सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक उपलब्ध रहेंगी, जिससे अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें।

निषाद पार्टी की 'राजनैतिक एकता' महारैली में उमड़ा जनसैलाब

आर्यावर्त संवाददाता

लंभुआ/सुलतानपुर। निषाद पार्टी की 'राजनैतिक एकता' विशाल महारैली वाराणसी में लंभुआ विधानसभा (190) से वरिष्ठ नेता डॉ. आशीष तिवारी हजारों कार्यकर्ताओं के साथ शामिल हुए। उनके पहुंचते ही कार्यकर्ताओं ने जोशीले नारों और तालियों की गूंज के बीच भव्य स्वागत किया और जुलूस की शक्ल में मंच तक ले गए। पूरे आयोजन स्थल पर उत्साह और ऊर्जा का माहौल नजर आया।महारैली के मुख्य अतिथि डॉ. संजय निषाद, कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार एवं निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, का डॉ. आशीष तिवारी ने 51 किलो की विशाल माला पहनाकर सम्मान किया। इस अवसर पर उपस्थित नेताओं व कार्यकर्ताओं ने पार्टी एकता और संगठन की मजबूती का संकल्प दोहराया।अपने संबोधन में डॉ. आशीष तिवारी ने कहा कि निषाद पार्टी समाज के दबे-कुचले, वंचित और असहाय वर्गों की सशक्त आवाज बनकर उभरी है। "हमारी लड़ाई केवल चुनाव तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और अधिकारों की स्थापना के लिए है। सड़क से लेकर सदन तक हर मंच पर हम जनता की आवाज उठाते रहेंगे," उन्होंने कहा। उन्होंने 'सेवार्थम फाउंडेशन' के माध्यम से चल रही जनसेवा गतिविधियों का जिक्र करते हुए बताया कि उनकी टीम निरंतर जरूरतमंदों की सहायता में जुटी है। मुख्य अतिथि डॉ. संजय निषाद ने अपने वक्तव्य में पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों और भविष्य की रणनीति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि निषाद पार्टी वंचित समाज को सम्मान, भागीदारी और अधिकार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और एकजुट होकर आगे बढ़ने का आह्वान किया। महारैली में उमड़ी भारी भीड़ और कार्यकर्ताओं के उत्साह ने निषाद पार्टी के बढ़ते जनाधार और क्षेत्र में उसकी मजबूत होती राजनीतिक पकड़ का स्पष्ट संकेत दिया।

जनेश्वर इन्क्लेव की 11वीं मंजिल से कूदकर युवक की मौत, एक साल पहले हुई थी शादी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के थाना गुडम्बा क्षेत्र स्थित कुर्सी रोड के जनेश्वर इन्क्लेव में गुरुवार रात एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। 11वीं मंजिल से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुए युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का बताया जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है।पुलिस के अनुसार 30 अप्रैल 2026 की रात करीब 8:45 बजे सूचना मिली कि जनेश्वर इन्क्लेव की 11वीं मंजिल से एक युवक नीचे गिर गया है। सूचना मिलते ही थाना गुडम्बा पुलिस मौके पर पहुंची और देखा कि एक युवक गंभीर हालत में परिसर के नीचे पड़ा हुआ है। तत्काल 108 एम्बुलेंस की मदद से उसे मेडिकल कॉलेज ट्रामा सेंटर भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।घटना की जानकारी मिलते ही फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मृतक की पहचान प्रबल जैन (31 वर्ष) पुत्र उमेश जैन, निवासी महमूदाबाद जनपद सीतापुर के रूप में हुई है। वह वर्तमान में अपनी पत्नी के साथ जनेश्वर इन्क्लेव के डी-ब्लॉक स्थित फ्लैट संख्या 1102 में किराए पर रह रहे थे, जो ओमप्रकाश श्रीवास्तव के नाम पर है।मौके पर मौजूद मृतक की पत्नी के अनुसार प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि प्रबल जैन ने 11वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या की है। बताया गया कि मृतक प्रॉपर्टी डीलिंग का कार्य करता था, जबकि उसकी पत्नी सुलतानपुर रोड स्थित फीनिक्स प्लासियो मॉल में फ्लोर मैनेजर के पद पर कार्यरत है। दोनों की शादी करीब एक वर्ष पहले ही हुई थी।घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है और परिवार के लोग मौके पर मौजूद हैं। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया आत्महत्या का मामला प्रतीत हो रहा है, लेकिन सभी संभावित कारणों की गंभीरता से जांच की जा रही है। फिलहाल मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई जारी है और पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर जांच में जुटी हुई है।

प्रदेश में किसानों को सीधे खाते में भुगतान, 28 अप्रैल तक 6.10 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में रबी विपणन सत्र के दौरान गेहूं खरीद अभियान ने तेज रफ्तार पकड़ ली है। योगी सरकार की सक्रिय रणनीति और जमीनी स्तर पर मजबूत व्यवस्थाओं के चलते 28 अप्रैल तक 6.10 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद दर्ज की जा चुकी है, जो अभियान की प्रभावशीलता को दर्शाती है।

सरकार ने इस अभियान में पारदर्शिता और किसानों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। अब तक 1,15,854 किसानों को 1318 करोड़ रुपये का भुगतान डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए सीधे उनके बैंक खातों में भेजा जा चुका है। इससे किसानों को समय पर पैसा मिल रहा है। प्रदेश भर के खरीद केंद्रों पर

व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया गया है। तौल, भंडारण और भुगतान की प्रक्रिया को सरल व पारदर्शी बनाया गया है, ताकि किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश हैं कि हर केंद्र पर पर्याप्त संसाधन उपलब्ध रहें और किसी भी किसान को लौटना न पड़े।

पूर्वांचल बना खरीद अभियान का इंजन

गेहूं खरीद में पूर्वांचल के जिलों ने शानदार प्रदर्शन किया है। देवरिया ने 55.82% खरीद के साथ प्रदेश में पहला स्थान हासिल कर प्रशासनिक सक्रियता और किसानों की भागीदारी का मजबूत उदाहरण पेश किया है। इसके अलावा बस्ती, प्रतापगढ़, बलरामपुर और संतकबीरनगर जैसे जिले भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। बेहतर प्रबंधन और पारदर्शी व्यवस्था ने किसानों का भरोसा मजबूत किया है।

बेमौसम बारिश के बाद किसानों के हित में बड़ा फैसला

इस बार बेमौसम वर्षा के कारण गेहूं की गुणवत्ता प्रभावित हुई, दाने सिकुड़े और चमक कम हो गई। ऐसे में किसानों के हित में बड़ा निर्णय लेते हुए केंद्र सरकार ने राहत दी है। अब 70% तक चमकविहीन और 20% तक सिकुड़ा/टूटा गेहूं बिना कटौती के खरीदने की अनुमति दी गई है, जिससे किसानों को नुकसान से बचाया जा सके।

डिजिटल व्यवस्था से आसान हुई प्रक्रिया

पंजीकरण से लेकर भुगतान तक पूरी प्रक्रिया को डिजिटल बनाया गया है। किसान आसानी से पंजीकरण कर रहे हैं और उन्हें सीधे खातों में भुगतान मिल रहा है। साथ ही निगरानी व्यवस्था को मजबूत कर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि अधिक से अधिक किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का लाभ मिल सके।

बुद्ध पूर्णिमा पर कुशीनगर में भव्य समारोह, उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य बोले—विश्व शांति के लिए बुद्ध का मार्ग ही समाधान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर कुशीनगर में आयोजित 2570वें बुद्ध पूर्णिमा समारोह में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता करते हुए भगवान गौतम बुद्ध के शांति, करुणा और अहिंसा के संदेश को आज के वैश्विक परिदृश्य में अत्यंत प्रासंगिक बताया। उन्होंने कहा कि जब दुनिया युद्ध और अशांति के दौर से गुजर रही है, तब बुद्ध के मार्ग पर चलकर ही स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत ने हमेशा विश्व को युद्ध नहीं, बल्कि बुद्ध का संदेश दिया है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज वैश्विक मंच पर बुद्ध की शिक्षाओं को नए विस्तार के साथ स्थापित कर रहा है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित भंतेगणों, बौद्ध अनुयायियों और जनप्रतिनिधियों का अभिनंदन करते हुए बुद्ध पूर्णिमा की

शुभकामनाएं दीं।उन्होंने कहा कि कुशीनगर, श्रावस्ती, सारनाथ, संकिसा और कौशांबी जैसे बौद्ध स्थलों का डबल इंजन सरकार में अभूतपूर्व विकास हुआ है। एयर, रोड और रेल कनेक्टिविटी को मजबूत कर इन स्थलों को अंतरराष्ट्रीय बौद्ध पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिलाई गई है। कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को और अधिक सक्रिय बनाने के लिए भी सरकार गंभीर प्रयास कर रही है, ताकि विश्वभर से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।अपने संबोधन में केशव मौर्य ने रूस प्रवास का उल्लेख करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष लेकर रूस के कालमिकिया गणराज्य भेजा था, जहां श्रद्धा और सम्मान के साथ उनका स्वागत हुआ। यह भारत की आध्यात्मिक शक्ति और बुद्ध के प्रति वैश्विक आस्था का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि लगभग 40 बौद्ध देशों के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करने में बुद्ध की शिक्षाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।उन्होंने सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य और सम्राट अशोक महान की विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि सम्राट अशोक ने बुद्ध के संदेश को विश्वभर में फैलाया और आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उसी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने भीमराव अंबेडकर के योगदान को भी याद करते हुए कहा कि बाबा साहब ने बुद्ध के विचारों को सामाजिक न्याय और समरसता से जोड़ा।कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक भी उपस्थित रहे। दोनों उप मुख्यमंत्रियों ने कुशीनगर स्थित महापरिनिर्वाण मंदिर में भगवान बुद्ध के दर्शन कर विश्व शांति और मानव कल्याण की कामना की। बृजेश पाठक ने बुद्ध के करुणा और अहिंसा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।इस अवसर पर सहजानंद राय, दुर्गेश राय सहित कई जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, समाजसेवी और बौद्ध भिक्षु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ठाकुरगंज में सड़क किनारे अज्ञात युवक का शव मिला, शिनाख्त के प्रयास जारी

लखनऊ। थाना ठाकुरगंज क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर एक अज्ञात युवक का शव सड़क किनारे मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी।प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 मई 2026 को करीब 1:30 बजे थाना ठाकुरगंज पुलिस को सूचना मिली कि श्याम मोटर्स के सामने डिवाइडर पर एक व्यक्ति अचेत अवस्था में पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची, जहां एक लगभग 30 वर्षीय अज्ञात पुरुष मृत अवस्था में पाया गया।पुलिस ने मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों की मदद से मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की और पहचान के लिए केजीएमयू मर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है।

बुद्ध पूर्णिमा व श्रमिक दिवस पर कांग्रेस का सम्मेलन, शिक्षा–चिकित्सा व्यवस्था और पुरानी पेंशन बहाली पर उठी आवाज

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बुद्ध पूर्णिमा और अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर राजधानी के कैसरबाग स्थित गांधी भवन प्रेक्षागृह में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के शिक्षक एवं चिकित्सा प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में शिक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्था और कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय, कांग्रेस सोशल मीडिया की चेयरपर्सन सुप्रिया श्रीनेत, अनुसूचित जाति विभाग के चेयरमैन तनुज पुनिया तथा पूर्व सांसद रवि प्रकाश वर्मा सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनीष हिंदवी ने किया, जबकि अतिथियों का स्वागत प्रो. श्रवण कुमार गुप्ता ने किया।सम्मेलन की शुरुआत भगवान गौतम बुद्ध की जयंती के अवसर पर उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस दौरान शिक्षकों और चिकित्सकों की भूमिका पर आधारित लघु फिल्मों का लोकार्पण भी किया गया।अपने संबोधन में अविनाश पाण्डेय ने कहा कि शिक्षक और चिकित्सक समाज के निर्माणकर्ता हैं, जो केवल भीड़ का हिस्सा नहीं बल्कि उसे दिशा देने का कार्य करते हैं। उन्होंने सामाजिक न्याय और लोकतंत्र की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि संघर्ष के बिना बदलाव संभव नहीं है। पुरानी पेंशन योजना का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस सत्ता में आने पर इसे पुनः बहाल करेगी और कर्मचारियों, शिक्षकों व चिकित्सकों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा।प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सरकारी संस्थानों का निजीकरण बढ़ रहा है, जिससे आम जनता प्रभावित हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा और चिकित्सा को व्यवसाय बना दिया गया है, जिससे गरीब वर्ग के लिए गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं दूर होती जा रही हैं।सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि देश में शिक्षकों और डॉक्टरों की भारी कमी है, लेकिन सरकार इन पदों को भरने में असफल रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने में इन दोनों वर्गों की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए उनकी समस्याओं का समाधान आवश्यक है।

ऐशबाग में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी के थाना बाजारखाला क्षेत्र अंतर्गत ऐशबाग इलाके में शुक्रवार को एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। घर के बेसमेंट में युवक का शव फांसी के फंदे से लटका मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।प्राप्त जानकारी के अनुसार दारू गोदाम, ऐशबाग निवासी सोनम शुक्ला ने थाना बाजारखाला में लिखित सूचना देकर बताया कि उनके पुत्र शिवम शुक्ला (लगभग 30 वर्ष) ने अज्ञात कारणों के चलते घर के नीचे बने बेसमेंट के कमरे में पंखे के कुण्डे से कपड़े के फंदे के सहारे फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई।बताया जा रहा है कि मृतक शिवम शुक्ला अपनी मां की ऐशबाग तिराहे पर स्थित चाय की दुकान पर काम करता था और रोजमर्रा के कार्यों में उनका सहयोग करता था। घटना के पीछे क्या कारण रहे, इसका अभी तक स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है। परिजन भी घटना को लेकर कुछ स्पष्ट नहीं बता पा रहे हैं, जिससे मामला और अधिक रहस्यमय हो गया है।सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी ऐशबाग पुलिस टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने देखा कि युवक बेसमेंट में फांसी के फंदे से लटका हुआ था। इसके बाद फील्ड यूनिट को मौके पर बुलाकर वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य संकलन कराया गया, ताकि घटना के हर पहलू की गहनता से जांच की जा सके।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है, लेकिन सभी बिंदुओं पर गंभीरता से जांच की जा रही है। आसपास के लोगों और परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है, ताकि घटना के पीछे के कारणों का पता लगाया जा सके। फिलहाल पूरे मामले में विधिक कार्रवाई प्रचलित है और पुलिस हर एंगल से जांच में जुटी हुई है।

मोहनलालगंज में आत्महत्या प्रकरण का खुलासा, पत्नी व प्रेमी गिरफ्तार, प्रताड़ना से तंग आकर युवक ने दी जान

लखनऊ। थाना मोहनलालगंज क्षेत्र में युवक की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतक की पत्नी और उसके कथित प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में सामने आया कि लगातार मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर युवक ने आत्महत्या जैसा कदम उठाया।प्राप्त जानकारी के अनुसार 29 अप्रैल 2026 को ग्राम कल्ली पूरब (घाघ) निवासी श्रीराम ने थाना मोहनलालगंज में सूचना दी कि उनके पुत्र बब्लू गौतम का विवाह लगभग 15 वर्ष पूर्व चांदनी से हुआ था। आरोप है कि बब्लू की पत्नी चांदनी का सत्यमपाल नामक युवक से प्रेम संबंध था, जो बंधन बैंक शाखा मोहनलालगंज में कार्यरत है। इस संबंध की जानकारी होने के बाद घर में आए दिन विवाद होने लगा। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि चांदनी और उसका प्रेमी सत्यमपाल मिलकर बब्लू को लगातार प्रताड़ित करते थे।

मई दिवस पर पत्रकारों की आवाज बुलंद, ईपीएफ न्यूनतम पेंशन बढ़ाने पर केंद्र से होगी वार्ता

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मई दिवस के अवसर पर यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन द्वारा प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में पत्रकारों की समस्याओं और अधिकारों को लेकर व्यापक चर्चा हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद प्रदेश के श्रम मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि वह 3 मई को केंद्रीय श्रम मंत्री डॉ. मनसुख मांडवीया से मुलाकात कर ईपीएफ की न्यूनतम पेंशन बढ़ाने का मुद्दा उठाएंगे। उन्होंने कहा कि यूनियन द्वारा दिए गए ज्ञापन के आधार पर यह पहल की जा रही है, जिसमें न्यूनतम पेंशन को 1000 रुपये से बढ़ाकर 5000 रुपये किए जाने की मांग प्रमुख है।अनिल राजभर ने यूनियन पदाधिकारियों से अपील की कि वे प्रदेश स्तर पर एक बड़ा संवाद कार्यक्रम आयोजित करें, जिसमें विभिन्न जिलों के पत्रकार शामिल हों। उन्होंने आश्वासन दिया कि ऐसे कार्यक्रम में वह स्वयं दो से तीन घंटे का समय देंगे और पत्रकारों की समस्याओं को विस्तार से सुनेंगे।यूनियन के प्रादेशिक अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन में पत्रकारों के लिए पेंशन व्यवस्था, पत्रकार सुरक्षा कानून, पीजीआई में सभी श्रमजीवी पत्रकारों को चिकित्सा सुविधा, प्राथमिकता पर भूखंड आवंटन, आर्थिक सहायता की स्थायी व्यवस्था और ट्रेन किराए में छूट बहाल करने की मांग उठाई।विशिष्ट अतिथि विधान परिषद सदस्य पवन सिंह चौहान ने कहा कि पत्रकारिता के सामने चुनौतियां बढ़ रही हैं, लेकिन पत्रकारों को निर्भीक होकर सच्चाई का पक्ष रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज के वंचित और पीड़ित वर्ग की आवाज हैं, जिन्हें अपनी जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी से निभानी चाहिए।यूपी प्रेस क्लब के अध्यक्ष रविंद्र कुमार सिंह ने पत्रकारिता के बदलते स्वरूप पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अब स्वस्थ आलोचना भी जोखिम भरा काम बनती जा रही है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों पर मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं और खबरों को रोका जा रहा है, जो लोकतंत्र के लिए गंभीर संकेत हैं।हिंद मजदूर महासभा के प्रदेश महामंत्री उमाशंकर मिश्र ने कहा कि पत्रकारों के वेज बोर्ड का गठन बंद हो गया है और कोरोना काल के बाद उनकी कई सुविधाएं समाप्त कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि पत्रकार अपने अधिकारों के लिए एकजुट होकर संघर्ष करें। उन्होंने श्रम कानूनों में हुए बदलावों पर भी चिंता जताते हुए कहा कि नई व्यवस्था में कार्य के घंटे बढ़ गए हैं, जिससे पत्रकारों पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है।

लखनऊ पुलिस का सराहनीय कार्य : 54 खोए मोबाइल बरामद, 12 लाख की संपत्ति मालिकों को लौटाई

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत साइबर सेल, जोन-दक्षिणी ने एक सराहनीय कार्य करते हुए 54 खोए हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को सुपुर्द किया है। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 12 लाख रुपये बताई जा रही है।पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर के निर्देशानुसार जनता के खोए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में CEIR पोर्टल के माध्यम से मोबाइल गुमशुदगी से संबंधित मामलों में प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे।दिनांक 1 मई 2026 को पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) अमित कुमार आनन्द के कुशल पर्यवेक्षण तथा अपर पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) रल्लापल्ली

बसंथ कुमार के निर्देशन में साइबर सेल, जोन-दक्षिणी की टीम ने तकनीकी माध्यम से विभिन्न व्यक्तियों के खोए मोबाइल फोन ट्रेस किए।जांच के दौरान इन मोबाइलों की लोकेशन प्रदेश के विभिन्न जनपदों और अन्य राज्यों में पाई गई। इसके बाद दक्षिणी जोन के सभी थानों की साइबर टीमों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए मोबाइलों को बरामद किया गया। बरामदगी के बाद सभी मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को बुलाकर विधिवत सुपुर्द किए गए।अपने खोए मोबाइल वापस पाकर मोबाइल स्वामियों ने खुशी जाहिर करते हुए लखनऊ पुलिस और साइबर टीम की सराहना की। पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) द्वारा स्वयं मोबाइल स्वामियों को उनके फोन सौंपे गए।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आगे भी CEIR पोर्टल के माध्यम से गुमशुदा मोबाइलों की बरामदगी का अभियान लगातार जारी रहेगा, ताकि लोगों को उनकी खोई संपत्तिवापस मिल सके और साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

शीर्ष अदालत के फैसले पर 55 विद्यालयों को नोटिस, आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को प्रवेश नहीं देना चाहते थे

लखनऊ। राजधानी के नामी विद्यालय आर्थिक रूप से कमजोर और गरीब बच्चों को प्रवेश देने में लापरवाही कर रहे हैं। शीर्ष अदालत के फैसले का हवाला देते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने राजधानी के करीब 55 निजी विद्यालयों को नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू की है। विभाग का स्पष्ट निर्देश हैं, एक सप्ताह के अंदर प्रवेश न लेने वाले विद्यालयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

बीएसए विपिन कुमार ने बताया कि शीर्ष अदालत ने एल्डिको लखनऊ पब्लिक स्कूल की अपील को खारिज करते हुए आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को प्रवेश देने के निर्देश दिए हैं। राजधानी में 55 ऐसे विद्यालय हैं जो आरटीई के नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। विद्यालय में चयन होने के बाद भी बच्चों को प्रवेश नहीं देना चाहते हैं।

कैंट क्षेत्र में चोरी का खुलासा : 3 शातिर चोर गिरफ्तार, 11 .48 लाख नकद समेत जेवर बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना कैंट क्षेत्र में हुई लाखों की चोरी का पुलिस ने सफल अनावरण करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से बड़ी मात्रा में नकदी, आभूषण और अन्य सामान बरामद किया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर लोगों का विश्वास मजबूत हुआ है।प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 अप्रैल 2026 को रणजीत सिंह निवासी ओल्ड विक्टोरिया लाइन, कैंट ने थाना कैंट में अपने घर में अलमारी का ताला तोड़कर आभूषण और कीमती सामान चोरी हो जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस संबंध में मुकदमा संख्या 40/26 धारा 305(a) बीएनएस के तहत मामला पंजीकृत किया गया था, जिसकी विवेचना उपनिरीक्षक राकेश कुमार चौरसिया द्वारा की जा रही थी।घटना के खुलासे के लिए थाना कैंट पुलिस और सर्विलांस मध्य जोन की संयुक्त

टीम लगातार प्रयासरत थी। इसी क्रम में 1 मई 2026 को पुलिस टीम ने पतारसी और सुरागरसी के आधार पर लोको चौराहे के पास पानी की टंकी के समीप तीन संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार किया।गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ में अपने नाम आदिल कुरैशी (22 वर्ष) निवासी आजाद मोहाल सदर कैंट, सूरज सरोज (19 वर्ष) निवासी शहीद नगर हुसैनगंज और सोहेल (22 वर्ष) निवासी शहीद नगर हुसैनगंज बताया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से चोरी से संबंधित एक चैन, एक अंगूठी, एक पायल, एक चांदी का सिक्का, सूर्या ऑफिसर्स इंस्टीट्यूट का सदस्यता कार्ड तथा 11,48,000 रुपये नगद बरामद किए गए।पुलिस ने अभियुक्त आदिल कुरैशी के पास से घटना में प्रयुक्त एक स्कूटी भी बरामद की है, जिसे मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत सीज किया गया है। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 331(4) व 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई है।पुलिस के अनुसार तीनों अभियुक्त शातिर किस्म के अपराधी हैं और उनसे अन्य घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।इस पूरी कार्रवाई को थाना कैंट पुलिस और सर्विलांस मध्य जोन की संयुक्त टीम ने अंजाम दिया, जिसमें उपनिरीक्षक राकेश कुमार चौरसिया, उपनिरीक्षक राज गोड़ सहित अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

4 मई के बाद बदल जाएगी देश की राजनीति

देश के चार राज्यों- असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल एवं एक केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम एग्जिट पोल भी सामने आ चुके है। इस बार का विधानसभा चुनाव , इस मायने में बहुत खास है कि इसमें देश के दो प्रमुख राष्ट्रीय राजनीतिक दलों-कांग्रेस और बीजेपी के साथ ही तृणमूल कांग्रेस, डीएमके और एआईएडीएमके जैसे ताकतवर क्षेत्रीय दलों की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है। सबसे बड़ा सवाल तो लेफ्ट फ्रंट के दलों के सामने खड़ा हो गया है क्योंकि केरल की सत्ता हाथ से जाते ही उनके सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो जाएगा। त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में तो लेफ्ट पार्टियां पहले ही साफ हो चुकी है। जाहिर है कि इन पांच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेश के चुनावी नतीजें सिर्फ इन राज्यों के मुख्यमंत्री ही तय नहीं करेंगे बल्कि दोनों गठबंधन- एनडीए एवं इंडिया को भी प्रभावित करेंगे। यह भी एक तथ्य है कि चाहे, चुनावी नतीजे जो भी आए लेकिन इसके बाद देश के दो प्रमुख राजनीतिक दलों में तेजी से बड़े बदलाव दिखाई देने लगेंगे।

बीजेपी ने नितिन नवीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर कई महीने पहले ही बदलाव की शुरुआत कर दी थी लेकिन वह बदलाव अभी संगठन के ढांचे और सरकार तक नहीं पहुंच पाया है। बताया जा रहा है कि चुनावी नतीजों के बाद नितिन नवीन की नई टीम के गठन के लिए उच्चस्तरीय बैठकों का दौर शुरू होगा। बीजेपी आलाकमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस बात की है कि वो बुजुर्ग हो चुके नेताओं को संगठन से बाहर रहने के लिए कैसे मना पाते हैं क्योंकि सबसे युवा अध्यक्ष चुनने के बाद पार्टी उनकी टीम को भी युवा नेताओं से ही भरना चाहती है। पार्टी के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में बीजेपी को पार्टी का फैसला लेने वाली सर्वोच्च ईकाई संसदीय बोर्ड, उम्मीदवारों का चयन करने वाली केंद्रीय चुनाव समिति के साथ ही राष्ट्रीय पदाधिकारियों और मोर्चों का पुनर्गठन करना है। पार्टी में नए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय महासचिव, राष्ट्रीय सचिव, राष्ट्रीय प्रवक्ता, मीडिया सहित विभिन्न विभागों की टीम के साथ ही राष्ट्रीय मोर्चों का भी पुनर्गठन करना है। इसके बाद बदलाव की यही प्रक्रिया सरकार और राज्यों में भी की जानी है। नई टीम में एक तरफ जहां युवा और अनुभवी नेताओं का संतुलन बनाना होगा वहीं महिलाओं को भी ज्यादा से ज्यादा जगह देनी होगी। बताया जा रहा है कि 4 मई को चुनावी नतीजे आने के 10-15 दिनों के अंदर नितिन नवीन की नई राष्ट्रीय टीम का ऐलान हो सकता है और इसके बाद भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय का पूरा स्वरूप ही बदला-बदला नजर आएगा।

कांग्रेस में भी बड़े पैमाने पर बदलाव की शुरुआत आने वाले दिनों में होने जा रही है। मोदी-शाह की जोड़ी ने 46 वर्ष के नितिन नवीन को बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर राहुल और सोनिया गांधी के सामने दुविधा की स्थिति पैदा कर दी है। मल्लिकार्जुन खड़गे सुलझे हुए परिपक्व नेता तो हैं लेकिन 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को भी एक युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ युवा नेताओं की टीम तो खड़ी करनी ही पड़ेगी। हालांकि यह भी बताया जा रहा है कि राहुल गांधी अभी भी इस बात पर अड़े हुए हैं कि गांधी परिवार का कोई भी व्यक्ति पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बनेगा। ऐसे में जाहिर से बात है कि कांग्रेस को राहुल और प्रियंका गांधी से इतर जाकर अन्य युवा नेताओं की तरफ देखना पड़ेगा। इस रेस में फिलहाल सचिन पायलट सबसे आगे बताए जा रहे हैं। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा, दोनों के चहेते नेता सचिन पायलट को आने वाले दिनों में कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है, अगर अशोक गहलोत ने पार्टी के बुजुर्ग नेताओं के साथ मिलकर कोई और खेला नहीं कर दिया तो। ध्यान दीजिएगा कि, यह अकारण नहीं है कि पिछले कुछ दिनों से गहलोत बार-बार पायलट की बगावत का किस्सा सुनाने में लगे हुए है। लेकिन अगर पायलट का नाम पीछे छूट भी गया तो भी राहुल गांधी को पार्टी के लिए नया और वो भी युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष तो ढूंढना ही पड़ेगा। कांग्रेस के अंदर वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे को लेकर भी सुगबुगाहट शुरू हो गई है। कहा जा रहा है कि कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की गुटबाजी पर लगाम कसने के लिए खड़गे को मुख्यमंत्री बनाकर बेंगलुरू भेजा जा सकता है और उनकी जगह पर दिल्ली में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष को बैठाया जा सकता है। जाहिर सी बात है कि अगर खड़गे कर्नाटक जाएंगे तो फिर पार्टी को राज्यसभा में भी अपना नया नेता चुनना पड़ेगा। नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ राष्ट्रीय संगठन महासचिव भी किसी युवा नेता को ही बनाना पड़ेगा और उसके बाद कांग्रेस मुख्यालय में भी नए चेहरों की संख्या बढ़ जाएगी।

भारत-न्यूज़ीलैंड ने नए आर्थिक संघ की शुरुआत की : दोनों देशों के लोगों के लिए एक लाभकारी समझौता

> **प्रतिस्पर्धी निर्माण केंद्रों के बीच व्यापार समझौतों के विपरीत, इस साझेदारी की ताकत इसकी पूरक भूमिका में निहित है।**

आधुनिक आर्थिक इतिहास के अधिकाँश समय के लिए व्यापार का तर्क सरल थाः तुलनात्मक लाभ। यह प्रणाली काम करती थी - जब तक कि यह समझौता नहीं हुआ था। हाल के वर्षों में, भू-राजनीतिक तनावों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन के साथ, व्यापार समझौतों की संरचना का फिर से निर्माण किया जा रहा है। समान विचारधारा वाले लोकतंत्रों के लिए, सवाल अब यह नहीं है कि एकीकृत होना चाहिए या नहीं, बल्कि यह कि कितना गहराई से और कितनी तेजी से एकीकृत होना चाहिए। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की अपनी महत्वाकांक्षा की ओर आगे बढ़ रहा है। देश ने पूर्व —इस बार भारत-प्रशांत क्षेत्र — की ओर अपना ध्यान केंद्रित किया है। भारत ऐसे साझेदारों की तलाश में है, जो आर्थिक एकीकरण और अपने नागरिकों की समृद्धि के लिए इसके दृष्टिकोण को साझा करते हैं। न्यूज़ीलैंड के रूप में, भारत को बिल्कुल ऐसा ही देश मिला।

यह रिश्ता लंबे समय से बन रहा था और पहली नज़र में इसका विस्तार व्यापार से आगे तक है। लगभग 3,00,000 भारतीय मूल के लोग न्यूज़ीलैंड में रहते हैं, जो इसकी आबादी का लगभग 5 प्रतिशत हैं— ये एक ऐसे सेतु का निर्माण करते हैं, जो उतना ही सांस्कृतिक है, जितना कि आर्थिक। इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि द्विपक्षीय वस्तु व्यापार वित्त वर्ष 2024-25 में 1.3 बिलियन डॉलर पहुंच गया और पिछले वर्ष की तुलना में इसमें 49 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी — यह आंकड़ा तेज वृद्धि का संकेत देता है। सेवा व्यापार भी 13 प्रतिशत बढ़ गया है। दो क्रिकेट राष्ट्रों का एक साथ आना, न केवल रोमांचक है, बल्कि पहले से चल रही साझेदारी को भी रेखांकित करता है।

प्रतिस्पर्धी निर्माण केंद्रों के बीच व्यापार समझौतों के विपरीत, इस साझेदारी की ताकत इसकी पूरक भूमिका में निहित है। भारत पैमाने की पेशकश करता हैः 1.4 अरब लोग, एक उभरता हुआ मध्यम वर्ग और एक विश्वस्तरीय डिजिटल और सेवा अवसंरचना। न्यूज़ीलैंड विशेषज्ञता की पेशकश करता हैः उच्च-तकनीक कृषि, सतत वानिकी और विशिष्ट निर्माण तकनीक। दोनों देशों की पूरक भूमिका ही इस साझेदारी की नींव है।

एफटीए स्पष्टता और आकर्षक विशेषताओं के साथ संतुलन स्थापित करता है। भारत ने संवेदनशील उत्पादों को बाहर रखा है, जैसे डेयरी, अधिकांश पशु उत्पाद, सब्जियां, चीनी, कृत्रिम शहद, वसा और तेल, हथियार और गोला-बारूद, तांबा और एल्युमिनियम के सामान। शत-प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क हटा दिए गये हैं, जिससे निरंतर मौजूद बाधा समाप्त हो गयी हैः यह बाधा प्रमुख शुल्क लाइनों पर 10 प्रतिशत तक के शुल्क के रूप में मौजूद थी। यह प्रगति श्रम-गहन क्षेत्रों जैसे वस्त्र, परिधान, चमड़ा, सिरामिक और कालीन तथा उच्च-वृद्धि वाले वाहन और इंजीनियरिंग उद्योगों के लिए तत्काल प्रतिस्पर्धा आधारित प्रोत्साहन प्रदान करती है। भारत का वस्त्र और परिधान निर्यात, जो पहले से ही वैश्विक स्तर पर बढ़ रहा है, अब न्यूजीलैंड के बाजार में प्रवेश कर रहा है, जो लगभग 1.9 बिलियन डॉलर मूल्य के ऐसे सामानों का वार्षिक आयात करता है और शून्य-शुल्क पहुँच की सुविधा देता है। इंजीनियरिंग निर्यात, जो दुनिया भर में 110 बिलियन डॉलर से भी अधिक हो गया है, अब ऐसे बाज़ार में भी वैसी ही गति पकड़ रहा है, जो 11 बिलियन डॉलर के इंजीनियरिंग उत्पाद आयात करता है। चमड़ा, दवाएँ, समुद्री उत्पाद और प्लास्टिक—ये सभी क्षेत्र जो पहले टैरिफ़ की वजह से बाधित थे—अब आगे बढ़ने और फलने-फूलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

यह समझौता दोनों देशों को उनके पारंपरिक बाजारों से हटकर अपने व्यापार में विविधता लाने में मदद करता है। एक ओर, यह भारत को न्यूजीलैंड—जो संसाधनों से समृद्ध एक विकसित अर्थव्यवस्था है—में शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्रदान करता है; वहीं दूसरी ओर, न्यूजीलैंड की कंपनियों के लिए यह न केवल दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले भारतीय बाजार, जहाँ 1.46 अरब लोग रहते हैं, के द्वार खोलता है, बल्कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था तक भी पहुंच सुनिश्चित करता है। इसके अलावा, यह न्यूजीलैंड को चीन पर अपनी निर्यात निर्भरता कम करने में मदद करता है—क्योंकि उसके कुल माल निर्यात का 28त्न से अधिक हिस्सा चीन जाता है—और साथ ही इसकी आयात आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुदृढ़ता लाने में भी सहायक सिद्ध होता है। अब भारत की पहुंच केवल किसी एक विकसित अर्थव्यवस्था तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसकी पहुंच दक्षिण प्रशांत क्षेत्र के एक व्यापक क्षेत्रीय इकोसिस्टम तक हो गई है। इससे भारतीय निर्यातकों के लिए अधिक निश्चितता और बड़े पैमाने पर अपना परिचालन करना कहीं अधिक आसान हो गया है। यह बाज़ार तक पहुँच में बिखराव को कम करता है और उन व्यवसायों के लिए एक सुगम मार्ग तैयार करता है, जो प्रशांत क्षेत्र में अपना विस्तार करना चाहते हैं। भारत में व्यापार-आधारित विकास कई विकल्प देता है। देश के स्तर पर, भारत-न्यूज़ीलैंड एफटीए से व्यापक और संरचना निहित लाभ मिलने की उम्मीद है, जो भारत के निर्यात आधार के भौगोलिक रूप से व्यापक और क्षेत्रीय रूप से विशिष्ट स्वरूप को प्रतिबिंबित करता है। गुजरात के रसायन और रत्न, महाराष्ट्र की दवाएं और वाहन कल-पुज़ेर्, तमिलनाडु के वस्त्र, उत्तर प्रदेश के चमड़े और हस्तशिल्प, पंजाब के कृषि-आधारित उत्पाद, कर्नाटक की दवाएं और इलेक्ट्रॉनिक्स तथा पश्चिम बंगाल की चाय और इंजीनियरिंग सामान—ये सभी बेहतर मूल्य प्रतिस्पर्धा से लाभ प्राप्त करने की स्थिति में हैं। आंध्र प्रदेश और केरल जैसी तटीय अर्थव्यवस्थाओं को समुद्री निर्यात में बेहतर मूल्य प्राप्ति होगी, जबकि पूर्वोत्तर क्षेत्र को चाय, मसाले, बांस और जैविक उत्पादों के लिए बेहतर बाज़ार पहुँच मिल सकती है। अब निर्यात में और विविधता लायी जा सकती है।

सौभाग्य से, व्यापार दोनों तरफ से होता है। भारत ने अपनी 70.03त्न टैरिफ लाइनों पर टैरिफ में ढील दी है, जबकि 29.97त्न टैरिफ लाइनों को छूट से बाहर रखा है; इसमें न्यूज़ीलैंड के साथ मौजूदा द्विपक्षीय व्यापार के 95त्न मूल्य को शामिल किया गया है। उद्योग के लिए हमारे मुख्य इनपुट पर तुरंत ड्यूटी खत्म कर दी गई है। लकड़ी और लकड़ी के गूदे जैसे आयात से कागज़, पैकेजिंग, फ़र्नीचर और निर्माण क्षेत्रों को मदद मिलेगी। यह समझौता ऊन, और लौह व अलौह पदार्थों के कचरे और स्क्रैप तक पहुँच को भी बेहतर बनाता है, जिससे घरेलू उद्योगों को प्रतिस्पर्धी बनने में मदद मिलेगी। ये विनिर्माण को बढ़ावा देने वाले कारक हैं। इनकी लागत कम करके, यह समझौता एक महत्वपूर्ण काम करता हैः यह भारतीय विनिर्माण के प्रतिस्पर्धा आधार को बदल देता है। न्यूज़ीलैंड के लिए, हिसाब-किताब अलग है। भारत का मतलब है बड़ा पैमाना—विविधीकरण की रणनीति में एक ज़रूरी कड़ी, जो इतने बड़े मौके देती है कि कुछ ही देश उसकी बराबरी कर सकते हैं। 422 अरब डॉलर से ज़्यादा के विदेशी निवेश के साथ, न्यूज़ीलैंड की वैश्विक मौजूदगी पहले से ही काफी बड़ी है। भारत सिफ़र् एक बाज़ार ही नहीं, बल्कि उत्पादन, तकनीक और मानव संसाधन के क्षेत्र में भी साझेदारी का अवसर देता है।

टिप्पणी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मतदाता इतनी बड़ी संख्या में क्यों निकल कर बाहर आए?

पश्चिम बंगाल में मतदाताओं ने भारतीय राजनीतिक इतिहास में पहली बार 92.55 फीसदी वोट करके रिकॉर्ड कायम कर दिया।इससे पहले 84.61 फीसदी मतदान का रिकॉर्ड था तब भी बंगाल में ही हुआ था। लेकिन राजनीति विश्लेषकों का मानना है कि बढ़ा हुआ मतदान एस आई आर (मतदाता सूची के गहन परीक्षण) के कारण हुआ है क्योंकि बोगस मतदाता सूची से पृथक हो गया और बंगाल में 294 विधानसभा सीटों पर करीब नब्बे लाख मतदाता हटे इस कारण वोटिंग प्रतिशत पर घनात्मक परिवर्तन हुआ बताया जाता है कि बंगाल से बाहर गए लोग भी इस डर शत प्रतिशत वोट करने रेलगाड़ियों से आए कि उनका मतदाता सूची से नाम पृथक नहीं हो जाय और उनकी शासकीय योजनाओं में से नाम पृथक नहीं हो सकता है यहां तक कि उनका आधार कार्ड, पेन कार्ड, पासपोर्ट समाप्त न हो जाएगा। सही बात भी मीडिया, राजनीतिक नेता नहीं कह रहे हैं कि भला हो मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का जिन्होंने एस आई आर कराया और बंगाल विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण में 2400 कंपनियों पैरा मिलिट्री फोर्स की मतदान केंद्र की सुरक्षा और निष्पक्ष मतदान के लिए लगाई जिन्होंने चुनावी हिंसा को रोका।इससे पहले बंगाल में रक्त रंजित ही चुनाव होते रहे थे।इसी सुरक्षा और एस आई आर के चलते रिकॉर्ड और शांति पूर्ण चुनाव हुआ है लेकिन असली बात कहने को कोई राजी नहीं है। वरना भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार शिवेंदु सरकार को तुड़मूल कांग्रेस के गुंडों ने क्या हाल किया । हिमायु कबीर की किस तरह धुनाई की गई वह तो वहां पर सीआरपीएफ थी वरना तुड़मूल कांग्रेस के गुंडों ने कोई कसर नहीं छोड़ी थी। बिहार, महाराष्ट्र, असम, केरल, पांडिचेरी, हरियाणा,दिल्ली, तमिलनाडु में भी एस आई आर ने कमाल कर दिया है।चुनाव विशेषज्ञ यशवंत देशमुख का मानना है कि एस आई आर के विभिन्न राज्यों अच्छे परिणाम आए हैं और इस दिशा चुनाव आयोग ने उल्लेखनीय कार्य किया है। सूत्रों के मुताबिक अब भारत में जब सभी राज्यों में एस आई आर हो जाएगा तो एक स्थाई मतदाता सूची बन जाएगी जैसा अमेरिका, ब्रिटिश, फ्रांस, जर्मनी, स्पेन, इटली सहित अनेक देशों में है।

और यह सूची ऑनलाइन होगी।जब मतदाता फॉर्म 6,7,8 भरेगा उसका नाम विधानसभा क्षेत्र से पृथक उसकी चाही गई विधानसभा क्षेत्र में दर्ज कर दिया जाएगा। इससे नवीनतम जनगणना को भी लिंक किया जाएगा। भारत की आवादी का स्थाई अकड़ा निकल सकता है।जब नया मतदाता बनने के लिए कोई फॉर्म नहीं भेजा क्योंकि 18 वर्ष पूरे होने पर मतदाता स्वतः ही बन सकता है।

दूसरा सवाल यह है कि बढी संख्या में मतदान सत्ता विरोधी लहर के कारण भी हो सकता है।या सत्ता के पक्ष में भी हो सकता है। भारतीय जनता पार्टी इस बढ़ें हुए मतदान को परिवर्तन मना रही है क्योंकि बंगाल विधानसभा में भाजपा नेता सुबेंदु अधिकारी, दिलीप घोष,कह रहे हैं कि कि सत्ता विरोधी लहर है।जबकि तुड़मूल कांग्रेस इसे बंगाली अस्मिता से जोड़ रही है।

ब्लॉग

भारत-न्यूज़ीलैंड ने नए आर्थिक संघ की शुरुआत की : दोनों देशों के लोगों के लिए एक लाभकारी समझौता

आधुनिक आर्थिक इतिहास के अधिकाँश समय के लिए व्यापार का तर्क सरल थाः तुलनात्मक लाभ। यह प्रणाली काम करती थी - जब तक कि यह समझौता नहीं हुआ था। हाल के वर्षों में, भू-राजनीतिक तनावों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन के साथ, व्यापार समझौतों की संरचना का फिर से निर्माण किया जा रहा है। समान विचारधारा वाले लोकतंत्रों के लिए, सवाल अब यह नहीं है कि एकीकृत होना चाहिए या नहीं, बल्कि यह कि कितना गहराई से और कितनी तेजी से एकीकृत होना चाहिए। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की अपनी महत्वाकांक्षा की ओर आगे बढ़ रहा है। देश ने पूर्व —इस बार भारत-प्रशांत क्षेत्र — की ओर अपना ध्यान केंद्रित किया है। भारत ऐसे साझेदारों की तलाश में है, जो आर्थिक एकीकरण और अपने नागरिकों की समृद्धि के लिए इसके दृष्टिकोण को साझा करते हैं। न्यूजीलैंड के रूप में, भारत को बिल्कुल ऐसा ही देश मिला।

यह रिश्ता लंबे समय से बन रहा था और पहली नज़र में इसका विस्तार व्यापार से आगे तक है। लगभग 3,00,000 भारतीय मूल के लोग न्यूज़ीलैंड में रहते हैं, जो इसकी आबादी का लगभग 5 प्रतिशत हैं— ये एक ऐसे सेतु का निर्माण करते हैं, जो उतना ही सांस्कृतिक है, जितना कि आर्थिक। इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि द्विपक्षीय वस्तु व्यापार वित्त वर्ष 2024-25 में 1.3 बिलियन डॉलर पहुंच गया और पिछले वर्ष की तुलना में इसमें 49 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी — यह आंकड़ा तेज वृद्धि का संकेत देता है। सेवा व्यापार भी 13 प्रतिशत बढ़ गया है। दो क्रिकेट राष्ट्रों का एक साथ आना, न केवल रोमांचक है, बल्कि पहले से चल रही साझेदारी को भी रेखांकित करता है। प्रतिस्पर्धी निर्माण केंद्रों के बीच व्यापार समझौतों के विपरीत, इस साझेदारी की ताकत इसकी पूरक भूमिका में निहित है। भारत पैमाने की पेशकश करता हैः 1.4 अरब लोग, एक उभरता हुआ मध्यम वर्ग और एक विश्वस्तरीय डिजिटल और सेवा अवसंरचना। न्यूजीलैंड विशेषज्ञता की पेशकश करता हैः उच्च-तकनीक कृषि, सतत वानिकी और विशिष्ट निर्माण तकनीक। दोनों देशों की पूरक भूमिका ही इस साझेदारी की नींव है। एफटीए स्पष्टता और आकर्षक विशेषताओं के साथ संतुलन स्थापित करता है। भारत ने संवेदनशील उत्पादों को बाहर रखा है, जैसे डेयरी, अधिकांश पशु उत्पाद, सब्जियां, चीनी, कृत्रिम शहद, वसा और तेल, हथियार और गोला-बारूद, तांबा और एल्युमिनियम के सामान। शत-प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क हटा दिए गये हैं, जिससे निरंतर मौजूद बाधा समाप्त हो गयी हैः यह बाधा प्रमुख शुल्क लाइनों पर 10 प्रतिशत तक के शुल्क के रूप में मौजूद थी। यह प्रगति श्रम-गहन क्षेत्रों जैसे वस्त्र, परिधान, चमड़ा, सिरामिक और कालीन तथा उच्च-वृद्धि वाले वाहन और इंजीनियरिंग उद्योगों के लिए तत्काल प्रतिस्पर्धा आधारित प्रोत्साहन प्रदान करती है। भारत का वस्त्र और परिधान निर्यात, जो पहले से ही वैश्विक स्तर पर बढ़ रहा है, अब न्यूजीलैंड के बाजार में प्रवेश कर रहा है, जो लगभग 1.9 बिलियन डॉलर मूल्य के ऐसे सामानों का वार्षिक आयात करता है और शून्य-शुल्क पहुँच की सुविधा देता है। इंजीनियरिंग निर्यात, जो दुनिया भर में 110 बिलियन डॉलर से भी अधिक हो गया है, अब ऐसे बाज़ार में भी वैसी ही गति पकड़ रहा है, जो 11 बिलियन डॉलर के इंजीनियरिंग उत्पाद आयात करता है। चमड़ा, दवाएँ, समुद्री उत्पाद और प्लास्टिक—ये सभी क्षेत्र जो पहले टैरिफ़ की वजह से बाधित थे—अब आगे बढ़ने और फलने-फूलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह समझौता दोनों देशों को उनके पारंपरिक बाजारों से हटकर अपने व्यापार में विविधता लाने में मदद करता है। एक ओर, यह भारत को न्यूजीलैंड—जो संसाधनों से समृद्ध एक विकसित अर्थव्यवस्था है—में शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्रदान करता है; वहीं दूसरी ओर, न्यूजीलैंड की कंपनियों के लिए यह न केवल दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले भारतीय बाजार, जहाँ 1.46 अरब लोग रहते हैं, के द्वार खोलता है, बल्कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था तक भी पहुंच सुनिश्चित करता है। इसके अलावा, यह न्यूजीलैंड को चीन पर अपनी निर्यात निर्भरता कम करने में मदद करता है—क्योंकि उसके कुल माल निर्यात का 28त्न से अधिक हिस्सा चीन जाता है—और साथ ही इसकी आयात आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुदृढ़ता लाने में भी सहायक सिद्ध होता है। अब भारत की पहुंच केवल किसी एक विकसित अर्थव्यवस्था तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसकी पहुंच दक्षिण प्रशांत क्षेत्र के एक व्यापक क्षेत्रीय इकोसिस्टम तक हो गई है। इससे भारतीय निर्यातकों के लिए अधिक निश्चितता और बड़े पैमाने पर अपना परिचालन करना कहीं अधिक आसान हो गया है। यह बाज़ार तक पहुँच में बिखराव को कम करता है और उन व्यवसायों के लिए एक सुगम मार्ग तैयार करता है, जो प्रशांत क्षेत्र में अपना विस्तार करना चाहते हैं।

भारत में व्यापार-आधारित विकास कई विकल्प देता है। देश के स्तर पर, भारत-न्यूज़ीलैंड एफटीए से व्यापक और संरचना निहित लाभ मिलने की उम्मीद है, जो भारत के निर्यात आधार के भौगोलिक रूप से व्यापक और क्षेत्रीय रूप से विशिष्ट स्वरूप को प्रतिबिंबित करता है। गुजरात के रसायन और रत्न, महाराष्ट्र की दवाएं और वाहन कल-पुज़ेर्, तमिलनाडु के वस्त्र, उत्तर प्रदेश के चमड़े और हस्तशिल्प, पंजाब के कृषि-आधारित उत्पाद, कर्नाटक की दवाएं और इलेक्ट्रॉनिक्स तथा पश्चिम बंगाल की चाय और इंजीनियरिंग सामान—ये सभी बेहतर मूल्य प्रतिस्पर्धा से लाभ प्राप्त करने की स्थिति में हैं। आंध्र प्रदेश और केरल जैसी तटीय अर्थव्यवस्थाओं को समुद्री निर्यात में बेहतर मूल्य प्राप्ति होगी, जबकि पूर्वोत्तर क्षेत्र को चाय, मसाले, बांस और जैविक उत्पादों के लिए बेहतर बाज़ार पहुँच मिल सकती है। अब निर्यात में और विविधता लायी जा सकती है।

सौभाग्य से, व्यापार दोनों तरफ से होता है। भारत ने अपनी 70.03त्न टैरिफ लाइनों पर टैरिफ में ढील दी है, जबकि 29.97त्न टैरिफ लाइनों को छूट से बाहर रखा है; इसमें न्यूज़ीलैंड के साथ मौजूदा द्विपक्षीय व्यापार के 95त्न मूल्य को शामिल किया गया है। उद्योग के लिए हमारे मुख्य इनपुट पर तुरंत ड्यूटी खत्म कर दी गई है। लकड़ी और लकड़ी के गूदे जैसे आयात से कागज़, पैकेजिंग, फ़र्नीचर और निर्माण क्षेत्रों को मदद मिलेगी। यह समझौता ऊन, और लौह व अलौह पदार्थों के कचरे और स्क्रैप तक पहुँच को भी बेहतर बनाता है, जिससे घरेलू उद्योगों को प्रतिस्पर्धी बनने में मदद मिलेगी। ये विनिर्माण को बढ़ावा देने वाले कारक हैं। इनकी लागत कम करके, यह समझौता एक महत्वपूर्ण काम करता हैः यह भारतीय विनिर्माण के प्रतिस्पर्धा आधार को बदल देता है।

न्यूज़ीलैंड के लिए, हिसाब-किताब अलग है। भारत का मतलब है बड़ा पैमाना—विविधीकरण की रणनीति में एक ज़रूरी कड़ी, जो इतने बड़े मौके देती है कि कुछ ही देश उसकी बराबरी कर सकते हैं। 422 अरब डॉलर से ज़्यादा के विदेशी निवेश के साथ, न्यूज़ीलैंड की वैश्विक मौजूदगी पहले से ही काफी बड़ी है। भारत सिफ़र् एक बाज़ार ही नहीं, बल्कि उत्पादन, तकनीक और मानव संसाधन के क्षेत्र में भी साझेदारी का अवसर देता है। 20 अरब डॉलर के निवेश के वादे के साथ, इस रिश्ते का दीर्घावधि रणनीतिक स्वरूप है—एक ऐसा स्वरूप जो रोज़गार पैदा करने, क्षमताओं को मजबूत करने और लेन-देन वाले जुड़ाव से आगे बढ़कर एक ऐसी साझेदारी में विकसित होने के लिए खास तौर पर तैयार किया गया है जो स्थायी, अंतर्निहित और लंबे समय तक चलने वाली हो।

शायद इस साझेदारी का सबसे अहम पहलू इसकी बुनियादी बातों पर वापसी हैः कृषि। कृषि तकनीक एक मुख्य स्तंभ के तौर पर उभरती है। यह समझौता एक 'कृषि उत्पादकता साझेदारी' की रूपरेखा तैयार करता है, जो ज्ञान के आदान-प्रदान की दिशा में आगे बढ़ती है। प्रशीतन-श्रृंखला लॉजिस्टिक्स, सटीक खेती और कटाई के बाद के प्रबंधन में न्यूज़ीलैंड की विशेषज्ञता, पैदावार बढ़ाने और बर्बादी कम करने की भारत की ज़रूरत के अनुरूप है। कीवी फल, सेब और शहद के लिए कार्य योजनाएँ तथा उत्पादकों के लिए 'उत्कृष्टता केंद्र' और तकनीकी सहायता, बाज़ार तक पहुँच के साथ के साथ जोड़ी गई हैं। सेब, कीवी फल और मानुका शहद जैसे उत्पादों का आयात टैरिफ़ दर कोटा, न्यूनतम आयात मूल्य और मौसमी समय-सीमा के ज़रिए नियंत्रित किया गया है—ये ऐसे तंत्र हैं जिन्हें उपभोक्ता की पसंद और घरेलू सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसकी बनावट बहुत सोच-समझकर, लगभग सर्जिकल सटीकता के साथ तैयार की गई है।

सेवाओं के क्षेत्र में, यह समझौता एक नए क्षेत्र में कदम रखता हैः प्रतिभा का संस्थागत रूप देना। आईटी, इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य सेवा और अन्य क्षेत्रों के कुशल भारतीय पेशेवरों के लिए 5,000 वीज़ा का एक समर्पित कोटा, अस्थायी आवाजाही के लिए एक व्यवस्थित मार्ग की सुविधा देता है। तीन साल तक वैध रहने वाले ये वीज़ा, न्यूज़ीलैंड में श्रम की अनुमानित कमी—जिसके 2045 तक 250,000 श्रमिकों तक पहुँचने का अनुमान है—को पूरा करने के साथ-साथ भारत के विशाल पेशेवर आधार का लाभ उठाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। आयुष चिकित्सकों, योग प्रशिक्षकों, भारतीय रसोइयों और संगीत शिक्षकों को औपचारिक रूप से मान्यता दी गई है, जिससे कुशल पेशेवरों की आवाजाही की परिभाषा पारंपरिक क्षेत्रों से आगे बढ़कर और व्यापक हो गई है। छात्रों के आवागमन और पढ़ाई के बाद काम करने के वीज़ा से जुड़े प्रावधान, पढ़ाई के दौरान हर हफ्ते 20 घंटे तक काम करने के अधिकार की गारंटी देते हैं और पढ़ाई के बाद वहाँ रहने की सुविधा देते हैं - एसटीईएम स्नातकों के लिए तीन साल तक और डॉक्टर डिग्री के शोधार्थियों के लिए चार साल तक। इन प्रावधानों को एक संधि के दायरे में शामिल करके, उन्हें घरेलू नीति में होने वाले बदलावों की अस्थिरता से सुरक्षित रखा गया है। यह समझौता एक ऐसी दुनिया में पूर्वानुमान को सुनिश्चित करने का एक प्रयास है, जहाँ ऐसा अवसर कम ही मिलता है। इस समझौते का दायरा इससे भी कहीं अधिक विस्तृत हैः एमएसएमई में सहयोग; भौगोलिक संकेतकों के लिए यूरोपीय मानकों के अनुरूप बौद्धिक संपदा अधिकार; दवाओं की मंज़ूरी में तेज़ी लाना; और डिजिटल सीमा शुल्क प्रक्रियाएँ—जिसमें खराब होने वाली वस्तुओं के लिए निकासी का समय घटकर मात्र 24 घंटे रह गया है। इन प्रावधानों को एक औपचारिक संधि में शामिल करके, यह एफटीए व्यापक सहयोग और मानव पूंजी के विकास के लिए एक उत्प्रेरक का काम करता है। 27 अप्रैल 2026 को, दोनों देशों ने एक ऐसी साझेदारी को औपचारिक रूप दिया है, जो आने वाले दशकों तक उनके क्षेत्रीय जुड़ाव को आकार देगी। समझौतों की भाषा में, यह एक सफलता है। भू-राजनीति की भाषा में, यह एक ताल-मेल है।

(लेखक वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग के सचिव हैं)

मुरादाबाद में सरेराह की छेड़छाड़, आरोपी का पुलिस ने किया एनकाउंटर

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद के मुगलपुरा थाना इलाके के बरवलान चौकी क्षेत्र में एक बुर्कानशीं महिला के साथ सरेराह अश्लील हरकत और बदतमीजी करने वाले मुख्य आरोपी नौशाद को पुलिस ने एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल। यह मामला तब प्रकाश में आया जब सोशल मीडिया पर एक सीसीटीवी फुटेज तेजी से वायरल हुआ। जिसमें आरोपी की शर्मनाक करतूत साफ तौर पर दिखाई दे रही थी।

वीडियो वायरल होने और छेड़छाड़ की इस घटना ने शहर में महिला सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे। जिसके बाद पुलिस प्रशासन तुरंत हरकत में आया।मुरादाबाद के एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह के नेतृत्व में गठित विशेष टीमों ने आरोपी की पहचान के लिए सघन तलाशी अभियान चलाया। पुलिस ने सर्विलांस और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपी नौशाद का पता लगाया। जो नगर के ही कटघर इलाके का निवासी है।

पुलिस और आरोपी के बीच मुठभेड़ बरवलान इलाके में रामगंगा नदी के पास हुई। जहां आरोपी ने पकड़े जाने के डर से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली आरोपी के पैर में लगी। जिसके बाद घायल आरोपी को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी के पास से पुलिस ने अवैध तमंचा। जिंदा कारतूस और खोखा कारतूस बरामद किए हैं।

दिनदहाड़े छेड़छाड़ की घटना

मुगलपुरा थाना क्षेत्र के बरवलान इलाके में महिला के साथ हुई अभद्रता का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने संज्ञान लेते हुए मामले की पड़ताल शुरू की। सीसीटीवी में कैद हुई आरोपी की हरकत के आधार पर पुलिस ने उसकी पहचान पीरजादा मकबरा। थाना कटघर निवासी नौशाद के रूप में की। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि वीडियो के आधार पर पुलिस टीमों ने तुरंत जांच तेज कर दी। महिला की पहचान करना भी एक बड़ी चुनौती थी। लेकिन पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद पीड़ित महिला को खोज निकाला और उनसे संपर्क साधा। महिला की तहरीर और पहचान के आधार पर आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया और उसकी गिरफ्तारी के लिए जाल बिछाया गया। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी रामगंगा नदी के किनारे पुल के पास छिपा हुआ है और जिले से बाहर भागने की फिराक में है। पुलिस टीम ने घेराबंदी की। तो आरोपी ने आत्मसमर्पण करने के बजाय पुलिस पर जानलेवा फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई जवाबी फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस ने मौके से एक अवैध तमंचा। तीन जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया है। आरोपी ने पूछताछ में अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। फिलहाल उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है और मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

आंधी-तूफान से 7 लोगों की मौत, डीएम के निर्देश पर आश्रितों को 4-4 लाख की सहायता वितरित

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। जिले में बुधवार को आए आंधी-तूफान में सात लोगों की मौत हो गई। जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह के निर्देश पर सभी मृतकों के आश्रितों को राज्य आपदा मोचक निधि से 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि वितरित की गई है। मृतकों में कुड़वार थानाक्षेत्र के पूरे शिववंश दुबे निवासी 20 वर्षीय महेंद्र तिवारी भी शामिल हैं। बिजली का खंभा गिरने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी।

महेंद्र अपनी बहन की शादी के लिए दस दिन पहले ही परदेस से घर लौटे थे। 7 मई को उनकी बहन की बारात आनी थी। बल्दीराय थानाक्षेत्र में दो लोगों की जान गई। कस्बा माफियात में सुरेश कुमार सोनकर की आठ वर्षीय बेटी महिमा की मौत छप्पर के मकान पर ईंट गिरने से हुई। वह कक्षा 3 की छात्रा थी। इसी थाना क्षेत्र के सिंघनी गांव में 58 वर्षीय रामबरन पुत्र शिवदास के घर पर तेज आंधी के कारण पेड़ गिर गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उनकी पत्नी श्यामलली गंभीर रूप से घायल हो गईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हलियापुर थाना क्षेत्र के पूरे निधई तिवारी मजरे डोभियारा में 35 वर्षीय रीता पत्नी बम बहादुर की मौत कच्ची दीवार और छप्पर गिरने से हुई। रीता अपने पीछे तीन छोटे बच्चे छोड़ गई हैं।अखंडनगर थाना क्षेत्र के बरामदपुर गांव में आठ वर्षीय सुरेमन पुत्र विजय बहादुर की मौके पर ही मौत हो गई थी। इस हादसे में विकास (16) और किशन (11) गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अम्बेडकरनगर भेजा गया था।बंधुआकला के अलीगंज दाऊदपुर में घर के पास जामुन का पेड़ गिरने से 40 वर्षीय सुषमा गुप्ता पत्नी अरविन्द गुप्ता की मौत हो गई थी। कूरेभार थाना क्षेत्र के पटना मनीपुर में कच्ची दीवार में दबकर 70 वर्षीय केवला देवी की मौत हुई थी।

स्मार्ट मीटरों पर ग्रामीणों का गुस्सा फूटा, उखाड़कर बिजलीघर में लगाया ढेर, आगरा के अकोला में हंगामा

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। आगरा के अकोला कस्बा क्षेत्र में स्मार्ट मीटरों को लेकर ग्रामीणों का विरोध शुक्रवार सुबह उग्र हो गया। सैकड़ों ग्रामीणों ने एकत्र होकर अपने-अपने घरों पर लगे स्मार्ट मीटरों को उतार दिया और उन्हें उखाड़कर बिजली विभाग के खिलाफ विरोध जताया। इस दौरान ग्रामीणों ने बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की।

ग्रामीणों का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद से बिजली बिलों में अनियमितता और अधिक वसूली की शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं। लोगों का कहना है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद विभाग द्वारा कोई समाधान नहीं किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

विरोध के दौरान महिलाएं भी बड़ी संख्या में शामिल रहीं। ग्रामीण स्मार्ट मीटरों को लेकर देवी मंदिर पर एकत्र हुए और वहां से पैदल मार्च करते हुए बाजार के रास्ते बिजलीघर पहुंचे। बिजलीघर पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों ने स्मार्ट मीटरों का ढेर लगा दिया और जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की जिला अध्यक्ष लवानिया कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि स्मार्ट मीटरों की व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से रोका जाए और बिजली बिलों में हो रही कथित अनियमितताओं की जांच कराई जाए।

हिंदू महासभा ने न्यूनतम मजदूरी पांच सौ रूपए करने की उठाई मांग

फतेहपुर। अखिल भारत हिंदू महासभा जिला इकाई की मासिक बैठक जिलाध्यक्ष शशिकांत मिश्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सभी कार्यकर्ताओं ने एक स्वर से श्रमिक दिवस पर सभी श्रमिकों को बधाई देते हुए देश की मोदी सरकार से श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी प्रतिदिन 500 करने की मांग उठाई। बैठक में संगठन की सक्रिय एवं समर्पित महिला कार्यकर्ता सुधा सिंह को महिला शाखा का नगर अध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज त्रिवेदी ने कहा कि नौ मई को वीर शिरोमणि, अकबर की कभी दास्ता न स्वीकार करने वाले महाराणा प्रताप की जयंती तथा हिंदू हृदय सम्राट हिंदू महासभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर सावरकर की जयंती 28 मई को धूमधाम से मनाई जाएगी दोनों महापुरुषों की वीरगाथाओं को आम जनमानस तक पहुंचाया जाएगा।

सहारनपुर में ठगों ने जज को ही लगा दिया चूना... हज यात्रा के नाम पर की 24 लाख रुपये की ठगी

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। यूपी के सहारनपुर जिले में हज यात्रा कराने के नाम पर जज से लाखों रुपये की साइबर ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस मामले में थाना साइबर क्राइम पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि इस गिरोह में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है और जल्द ही पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जाएगा।

जानकारी के मुताबिक, सहारनपुर में तैनात विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) मौ। अहमद खान ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में उन्होंने बताया कि लखनऊ स्थित अलफहाद टूरिज्म कंपनी के डायरेक्टर आमिर रशीदी, ओसामा रशीदी, एजाज अहमद और फहद रशीदी ने हज यात्रा कराने के नाम पर उनसे कुल 23 लाख 99 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए। आरोप है कि पैसे लेने के बाद आरोपियों ने यात्रा की कोई व्यवस्था नहीं की और लगातार बहाने बनाकर मामले को टालते रहे।

जब काफी समय तक हज यात्रा की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी और आरोपियों का व्यवहार संदिग्ध लगा तो पीड़ित जज को ठगी का अहसास हुआ। इसके बाद उन्होंने तत्काल साइबर क्राइम थाना सहारनपुर में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि जिस टूरिज्म कंपनी के जरिए यह पूरा खेल चल रहा था, उसके पास हज यात्रा संचालन का कोई वैध लाइसेंस नहीं था। इससे यह साफ हो गया कि आरोपी फर्जी कंपनी बनाकर लोगों को धार्मिक यात्रा के नाम पर जाल में फंसा रहे थे।

कैसे पकड़ में आए आरोपी?

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना साइबर क्राइम ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। एसएसपी सहारनपुर ने मामले का संज्ञान लेते हुए साइबर टीम को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। तकनीकी साक्ष्यों, बैंक डिटेल और सर्विलांस की मदद से पुलिस ने लखनऊ के हुसैनगंज निवासी ओसामा रशीदी और एजाज अहमद को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी लंबे समय से फर्जी टूरिज्म कंपनी के जरिए धार्मिक यात्राओं के नाम पर लोगों से ठगी कर रहे थे। पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है और ठगी गई रकम की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

हाए बेचारा दूल्हा... बाराती ने उड़ाई ऐसी अफवाह, फेरे लेते-लेते रुक गई दुल्हन, गुस्से में तोड़ दी शादी

आर्यावर्त संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में एक दूल्हे के घोड़ी चढ़ने के अरमानों पर उस समय पानी फिर गया, जब बारात पहुंचने के बाद एक बाराती द्वारा फैलाई गई 'तीसरी शादी' की अफवाह ने कोहराम मचा दिया। यह अफवाह लड़की पक्ष के कानों तक पहुंचते ही उनका पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया। विवाद इतना बढ़ा कि वधु पक्ष ने शादी की रस्में बीच में ही रोक दीं और बारात को बिना दुल्हन के बैरंग वापस लौटा दिया। हैरान करने वाली बात यह है कि दूल्हा-दुल्हन की आधिकारिक शादी पहले ही मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत संपन्न हो चुकी थी।

पूरा मामला जिले के लालपुरा थाना क्षेत्र के पौथिया गांव का है। यहां के निवासी संतोष प्रजापति ने अपनी बेटी का विवाह मौदहा कस्बा निवासी दयाराम प्रजापति के बेटे अरविंद के साथ तय किया था। 18 मार्च को दोनों की शादी 'मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह' में सरकारी रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हो गई थी। हालांकि, लड़की के पिता की हसरत थी कि उनकी बेटी की बारात परंपरागत तरीके से उनके गांव आए और वे धूमधाम से अपनी लाडली को विदा करें। इसी इच्छा को पूरा करने के लिए दूल्हा अरविंद गाजे-बाजे के साथ बारात लेकर पौथिया गांव पहुंचा था।

बारात गांव पहुंची और जनवासे में ठहरी हुई थी। बाराती और घराती मिलकर चाय-नाश्ते का आनंद ले रहे थे। उधर दूल्हा-दुल्हन वरमाला के बाद 7 फेरे ले रहे थे। तभी हंसी-मजाक के बीच किसी बाराती ने अचानक यह अफवाह उड़ा दी कि दूल्हे अरविंद की यह तीसरी शादी है। यह खबर आग की तरह फैली और देखते ही देखते लड़की वालों के घर में हड़कंप मच गया। वधु पक्ष के लोग आक्रोशित हो गए और दूल्हे के चरित्र पर सवाल उठाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। दुल्हन फेरे लेते-लेते रुकी और शादी तोड़ दी।

पूर्व मंत्री की समझाइश भी रही बेअसर

विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। मौके पर मौजूद पूर्व मंत्री शिव चरण ने स्थिति को संभालने की कोशिश की। उन्होंने दोनों पक्षों को बिठाकर बातचीत के जरिए मामला सुलझाने का प्रयास किया और लड़की वालों को समझाने की बहुत कोशिश की, लेकिन बात नहीं बन पाई। दुल्हन के परिजनों ने बारातियों पर अभद्रता का आरोप लगाते हुए उन्हें वहां से जाने को कह दिया। अंततः दूल्हा और उसके रिश्तेदारों को अपमानित होकर बिना दुल्हन के ही वापस लौटना पड़ा।

दूल्हे के पिता का पलटवार

इस पूरे मामले पर दूल्हे के पिता दयाराम का पक्ष अलग है। उन्होंने लड़की वालों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके बेटे की केवल एक शादी पहले हुई थी, जिसका विधिवत तलाक हो चुका है। दयाराम के अनुसार, यह बात लड़की के परिजनों को पहले से पता थी, और इसी जानकारी के आधार पर मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में दोनों का विवाह कराया गया था। दूल्हे के पिता ने आरोप लगाया कि जब वे गांव पहुंचे, तो 'द्वारचार' और 'ओली' की रस्म के दौरान अचानक लड़की पक्ष ने 1 लाख रुपये की मांग शुरू कर दी। जब उन्होंने असमर्थता जताई, तो पैसे न देने पर उन पर 'तीसरी शादी' का झूठा आरोप मढ़ दिया गया। उन्होंने बहुत मिन्नतें कीं, लेकिन वधु पक्ष अपनी मांग पर अड़ा रहा और अंत में बिना विदाई के बारात वापस भेज दी गई। फिलहाल, यह मामला पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है कि कैसे एक छोटी सी अफवाह या लालच ने दो परिवारों के रिश्तों में दरार डाल दी।

अब एसपी खुद सुनेंगे फरियाद, थानों में पहुंचकर जनता से सीधा संवाद

आर्यावर्त संवाददाता

फतेहपुर। पुलिस और जनता के बीच बढ़ती दूरी को कम करने तथा फरियादियों को मुख्यालय के चक्कर से राहत देने के लिए पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने बड़ा कदम उठाया है। अब जिले के अलग-अलग थानों में तय तिथियों पर स्वयं पहुंचकर वह आमजन की समस्याएं सुनेंगे। इस नई व्यवस्था की शुरुआत शुक्रवार को शहर कोतवाली से हुई, जहां एसपी के पहुंचते ही फरियादियों की भीड़ उमड़ पड़ी और घंटों तक शिकायतों का सिलसिला चलता रहा।

कोतवाली परिसर में सुबह से ही जमीन विवाद, मारपीट, घरेलू कलह, अवैध कब्जा, रास्ते के झगड़े, दबंगई, लंबित मुकदमों और पुलिस कार्रवाई में देरी जैसी समस्याएं लेकर लोग पहुंचने लगे थे। पुलिस अधीक्षक ने कुर्सी पर बैठकर औपचारिकता निभाने के बजाय एक-एक शिकायतकर्ता को सामने बुलाया, पूरी बात सुनी और संबंधित अधिकारियों से तत्काल जवाब तलब किया। कई मामलों में मौके पर ही सख्त निर्देश दिए गए तो कुछ प्रकरणों में जिम्मेदारों को समयसीमा तय कर निस्तारण का आदेश दिया गया। जनसुनवाई के दौरान एसपी का रुख पूरी तरह सख्त दिखाई दिया। उन्होंने अधीनस्थ अधिकारियों से साफ कहा कि फरियादी को थाने से टरकाने या उसे बार-बार चक्कर लगवाने की प्रवृत्ति अब नहीं चलेगी। हर शिकायत का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष और समयबद्ध निस्तारण होना चाहिए। यदि किसी मामले में पीड़ित पक्ष को न्याय नहीं मिला या अनावश्यक दौड़ाया गया तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय होगी। एसपी ने कहा कि पुलिस की वर्दी का मतलब सिर्फ कानून व्यवस्था संभालना नहीं, बल्कि पीड़ित की आवाज सुनना और उसे राहत देना भी है। उन्होंने मौजूद क्षेत्राधिकारियों, प्रभारी निरीक्षकों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि जनसमस्याओं के समाधान में पूर्ण संवेदनशीलता, पारदर्शिता और मानवीय दृष्टिकोण अपनाया जाए। किसी भी फरियादी के साथ उपेक्षा का व्यवहार विभाग की छवि खराब करता है, जिसे किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शहर कोतवाली में हुई पहली जनसुनवाई के दौरान फरियादियों ने खुलकर अपनी समस्याएं रखीं। कई लोगों ने पुलिस कार्रवाई में देरी, विवेचना लंबित रहने और दबंगों के खिलाफ सुनवाई न होने की शिकायत की। एसपी ने संबंधित प्रभारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि जनता न्याय की उम्मीद लेकर आती है।

सहायक श्रमायुक्त ने सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र का किया शुभारंभ

फतेहपुर। विश्व मजदूर दिवस अवसर पर नेहरू युवा संगठन टीसी के तत्वाधान में बाल श्रमिकों की दक्षता विकास हेतु निःशुल्क सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ पुराना एनवाईएसटी कार्यालय अरबपुर में मुख्य अतिथि श्रम विभाग के सहायक श्रमायुक्त लालाराम ने फीता काटकर किया। सहायक श्रमायुक्त ने प्रशिक्षार्थियों के मध्य कहा कि अभी पूरे जिले में विभाग ने एक सर्वेक्षण कराया है। जिसमें 153 बाल श्रमिक का चिन्हीकरण किया गया। जिनको शिक्षा की मुख्यधारा में जोड़ना व दक्षता विकास के कार्यक्रमों के जोड़कर सशक्त बनाया जाना है। नेहरू युवा संगठन टीसी ने यह काम पहले से करना शुरू कर दिया है, जो सराहनीय है। प्रशिक्षण केंद्र के लिए विभाग हर सम्भव प्रयास करेगा। इसी क्रम में संचालक संस्था के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद साहू ने कहा कि यह अतिवंचित समुदाय के बाल श्रमिकों की दक्षता विकास हेतु निःशुल्क सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र संस्था द्वारा संचालित किया जा रहा।

जिला उद्योग केंद्र के चतुर्थ श्रेणी कर्मियों को दी विदाई

आर्यावर्त संवाददाता

फतेहपुर। जिला उद्योग केंद्र में वर्षों तक अपनी सेवाएं देने वाले चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी साजदा बेगम एवं अशोक के सेवानिवृत्त होने पर एक गरिमामय एवं भावुक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने दोनों कर्मचारियों को फूल-मालाएं पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानपूर्वक विदाई दी। समारोह के दौरान माहौल उस समय भावुक हो उठा जब अपने कार्यकाल की यादों को साझा करते हुए साजदा बेगम और अशोक की आंखें नम हो गईं। दोनों ने अपने सहकर्मियों और अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विभाग में बिताए गए वर्षों की स्मृतियां हमेशा उनके साथ रहेंगी। उन्होंने कहा कि यहां का स्नेह और सहयोग उनके जीवन की अमूल्य पूंजी है। उपस्थित अधिकारियों ने दोनों कर्मचारियों की निष्ठा, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता की सराहना करते हुए कहा कि साजदा बेगम और अशोक ने अपने कार्यकाल में विभाग को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि भविष्य में भी किसी भी प्रकार की आवश्यकता पड़ने पर विभाग उनका सहयोग करता रहेगा। कार्यक्रम में दोनों कर्मचारियों के परिवारजन भी शामिल हुए, जिन्होंने इस विशेष पल को और भी यादगार बना दिया। परिवारीजनों ने केक काटकर खुशी साझा की और सभी का आभार जताया। पूरे समारोह में अपनापन और सम्मान का भाव स्पष्ट रूप से झलक रहा था। अंत में सभी ने दोनों कर्मचारियों के स्वस्थ, सुखद एवं समृद्ध भविष्य की कामना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी। इस मौके पर जीएम अजय गुप्त, सहायक आयुक्त उद्योग राममूर्ति मौर्य, डीओ संदीप सरोज, अभय सिंह, आडिटर सीमा, अनुचर रामआसरे के साथ ही भाकियू टिकैत गुट के जिला उपाध्यक्ष यूसुफ तबरेज, मो0 फैसल के अलावा मोईज अहमद, नसीम अहमद भी मौजूद रहे।

अगरबत्ती निर्माण इकाई का शुभारंभ, युवाओं को मिलेगा रोजगार

फतेहपुर। शहर के भिखारीपुर-देवीगंज क्षेत्र में शुक्रवार को प्राकृतिक एवं पर्यावरण अनुकूल उत्पादों के क्षेत्र में एक नई पहल के रूप में त्रिपाठी नेचूरल्स के प्रतिष्ठान व अगरबत्ती निर्माण इकाई का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सभासद सुनील गुप्ता ने विधिवत फीता काटकर प्रतिष्ठान का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद उन्होंने नई अगरबत्ती निर्माण इकाई का अवलोकन किया और संस्थान की इस पहल की मुक्तकंठ से सराहना की। मुख्य अतिथि ने कहा कि वर्तमान समय में स्थानीय स्तर पर स्थापित होने वाले छोटे एवं मध्यम उद्योग ही युवाओं को स्वरोजगार देने का सबसे मजबूत माध्यम बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि त्रिपाठी नेचूरल्स न सिर्फ प्राकृतिक और शुद्ध उत्पाद उपलब्ध कराएगा, बल्कि जिले में रोजगार सृजन की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इंस्टाग्राम पर कमेंट से आया गुस्सा, अलीगढ़ में युवक के सीने में मारी गोली... भाई को भी नहीं छोड़ा

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ में इंस्टाग्राम पर कमेंट के विवाद में फायरिंग हुई। इस गोलीबारी में दो भाई घायल हुए। दोनों का इलाज जारी है। मामला जिले के क्वार्सी थाना इलाके के नगला पटवारी का है। यहां मौजूद कब्रिस्तान के पास दो युवकों के बीच इंस्टाग्राम पोस्ट पर टिप्पणी को लेकर वाद-विवाद हो गया। किसी अदनान नामक युवक ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, जिस पर अयान नामक युवक ने आपत्तिजनक बात लिख डाली।

इसी को लेकर अदनान ने अयान को रास्ते में रोक लिया, जहां दोनों के बीच झगड़ा हो गया। झगड़े की सूचना के बाद दोनों पक्षों से बड़े भी शामिल हो गए। अदनान पक्ष से किसी बाबू नाम के युवक ने अवैध तमंचे से गोली चला दी। गोली अयान पक्ष से पहुंचे समीर के सीने में जा धंसी। बड़े भाई को गोली लगते देख समीर के छोटे भाई फैजान ने पकड़ने की कोशिश की, तो बाबू ने तमंचे की बट मारकर फरार हो गया।

फायरिंग की घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। इधर घायल समीर और फैजान को आनन-फानन में साथियों ने मिलकर जेएन मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां दोनों का उपचार चल रहा है। समीर की हालत गंभीर बताई जा रही है।

घटना की सूचना के बाद मौके पर एसपी सिटी आदित्य बंसल, क्षेत्राधिकारी सिविल लाइंस सर्वम सिंह और दो थानों की पुलिस फोर्स पहुंच गई। क्षेत्राधिकारी सर्वम सिंह ने बताया कि रात लगभग 9:00 बजे थाना क्वार्सी पर सूचना प्राप्त हुई कि नगला पटवारी क्षेत्र में कब्रिस्तान के पास दो युवकों में झगड़ा हुआ, जिसमें दोनों पक्षों के बड़े भी शामिल हो गए।

इसी दौरान बाबू पक्ष के किसी व्यक्ति द्वारा फायर किया गया। सूचना पर तत्काल स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। घायल समीर पुत्र शाकिर को तत्काल जेएनएमसी में भर्ती कराया गया है, जहां वह उपचाराधीन है। प्रकरण में टीमों का गठन कर आरोपित पक्ष की शीघ्र गिरफ्तारी की जाएगी। अभियोग पंजीकरण की कार्यवाही थाना स्तर पर की जा रही है।

घर को सजाने का सस्ता और सुंदर तरीका, दीवारों पर सजाएं इस तरह के वॉल आर्ट

घर की खाली दीवारें उबाऊ-सी लगती हैं, जिन पर किसी का कोई खास ध्यान नहीं जाता। लेकिन अगर इन्हें सुंदर वॉल आर्ट डिजाइन से सजा दिया जाए तो ये आकर्षण का केंद्र बन जाती हैं।

जब आप दिन भर की थकान के बाद घर लौटती हैं तो दीवारों पर बिखरे नीले-पीले, हरे, गुलाबी रंग और उन पर बनीं कला-कृतियां मन को शांति देती हैं। हालांकि लंबे समय तक एक ही रंग की दीवारों को देखते-देखते मन ऊब जाता है और वह सुकून नहीं मिलता है, जो आप चाहती हैं। यह भी सच है कि दीवारों के रंगों को हर साल बदलना भी मुमकिन नहीं है। ऐसे में आप अपने घर की दीवारों पर कुछ आर्ट डिजाइन बनवाकर उनमें नई जान डाल सकती हैं।

स्टैंसिल आर्ट

दीवारों के रंगों को बिना बदले इसमें नया आकर्षण जोड़ने का सबसे बेहतरीन तरीका है, स्टैंसिल आर्ट बनवाना। प्रकृति से प्रेरित स्टैंसिल आर्ट आपकी दीवारों को खूबसूरत बना देगी। आप दीवारों पर पक्षी, जानवर, पेड़-पौधे आधारित पैटर्न बनवा सकती हैं। इस प्रकार आप नेचर थीम से घर में शांति का वातावरण विकसित कर सकती हैं। फूल-पत्तों के रंग घर की नकारात्मकता दूर करते हैं और आपके मन को शांति पहुंचाते हैं।

स्पिरिचुअल पेंटिंग

घर में शांति का वातावरण बनाए रखने में दीवारों पर बनी आध्यात्मिक पेंटिंग आपकी मदद करेंगी। अगर आप अध्यात्म के प्रति झुकाव रखती हैं तो पुरानी और बोरिंग दीवारों पर अध्यात्म से जुड़ी चित्रकारी करवाएं। यदि आपके लिए चित्रकारी करवाना भी मुमकिन नहीं है तो बड़े आकार की पेंटिंग या पोस्टर लगा सकती हैं। यह पेंटिंग और पोस्टर बाजार में सस्ते दामों पर उपलब्ध हैं।

आदिवासी कला

यदि आपको ऐतिहासिक कला-कृतियां पसंद हैं तो आप अपने कमरे या हॉल की दीवारों पर आदिवासी आर्ट डिजाइन बनवाने पर विचार कर सकती हैं। अफ्रीकी आदिवासी कला से लेकर वारली कला आपकी दीवारों को एक आकर्षक, ऐतिहासिक और नया रूप देगी। इस प्रकार आपको अपने कमरे में बैठने पर बोरियत महसूस नहीं होगी।

मंडला आकृतियां

मंडला आकृतियां बेहद पुरानी और फेमस आर्ट फॉर्म है। यह आर्ट फॉर्म बौद्ध और हिंदू धर्म से जुड़ी है, जो कि बेहद खूबसूरत है। आप इसे अपने बेड रूम की दीवारों या किसी कॉर्नर पर हाफ सर्किल में बनवा सकती हैं। इस तरह की आकृतियां हॉल की दीवारों के लुक को आकर्षक बना सकती हैं। इनमें कई रंगों का उपयोग किया जाता है, जिससे आपका मन शांत और प्रसन्न रहता है।

नकली ईंट आर्ट

आजकल लोग प्राचीन समय से खुद को जोड़ते हुए आधुनिक चीजों को नए आर्ट के तौर पर अपना रहे हैं। पहले के समय में धन की कमी के कारण ज्यादातर घर ईंट के ही बने होते थे, जिन पर पेंट नहीं किया जाता था। मगर आजकल लोग अपनी दीवारों पर नकली ईंट आर्ट करवा रहे हैं। आप भी घर की दीवारों के एक या दो हिस्सों में नकली ईंट आर्ट करवा सकती हैं। यह आर्ट आपकी बोरिंग दीवारों में नई जान डाल सकती है।

बोहो शैली

यह एक स्वतंत्र और रचनात्मक सजावट का तरीका है, जो रंगों, पैटर्न और विभिन्न सांस्कृतिक तत्वों का मिश्रण है। दीवारों को बोहो शैली में सजाने के लिए आप रंग-बिरंगे कालीन, हैंडमेड ड्रीमकैचर्स, वुडन आर्टवर्क और एथनिक टेपेस्ट्री का उपयोग कर सकती हैं। यह शैली आरामदायक, व्यक्तिगत और विशिष्ट है, जो घर में एक जीवंत और आकर्षक वातावरण उत्पन्न करती है।

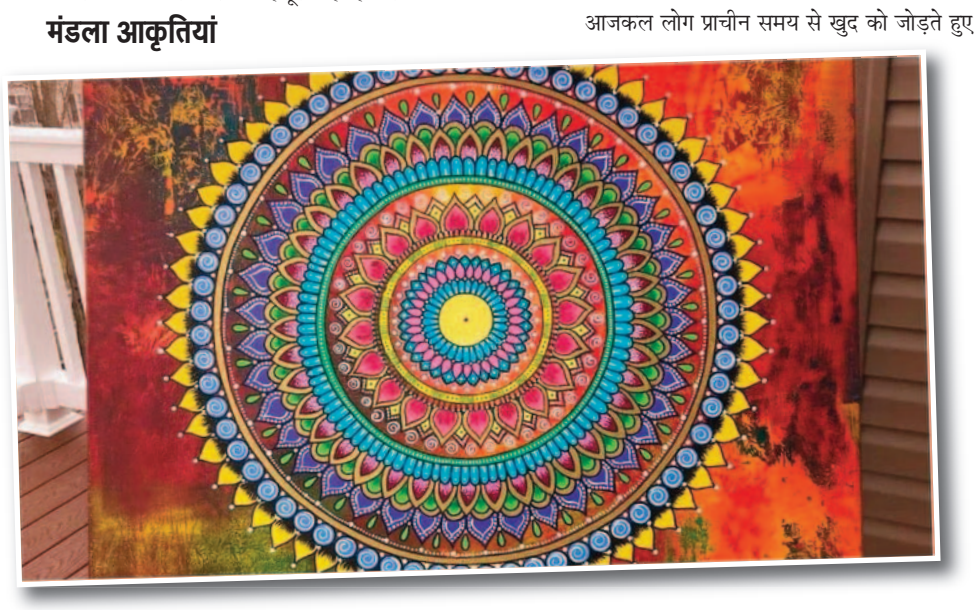

वक्फ की जमीन से हटाएंगे कब्जे, मदरसों में मिलेगी राष्ट्रवाद की शिक्षा

मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि ग्राम पंचायतों में जहां भी गोशाला की जमीनों पर कब्जा मिलेगा, उसे मुक्त कराने की सख्त कार्रवाई की जाएगी। कब्जे में जो वक्फ की जमीन हैं, उन्हें भी चिह्नित कराकर मुक्त कराए जाने की जानकारी दी कहा, राष्ट्रहित और देशहित की शिक्षा देने वाले मदरसों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू करने की पहल होगी। वहां राष्ट्रवाद की शिक्षा दिए जाने की पहल होगी।

जिन लोगों की नींद अक्सर पूरी नहीं होती है उनमें अन्य लोगों की तुलना में क्रोनिक बीमारियों का जोखिम अधिक हो सकता है। अनिद्रा के कारणों को जानना और समय रहते इसका इलाज कराना बहुत आवश्यक है। नींद न आने की स्थिति में खुद से ही लोग नींद की गोलियां लेना शुरू कर देते हैं, इसके कई गंभीर नुकसान हो सकते हैं।

अक्सर नींद न आना गंभीर बीमारियों का हो सकता है संकेत, आप भी करते हैं ये गलती तो तुरंत हो जाएं सावधान

दौड़ती-भागती जिंदगी में सेहत का ख्याल रख पाना सभी उम्र के लोगों के लिए बड़ा चैलेंज हो गया है। 30 से कम उम्र के लोग ब्लड प्रेशर, शुगर सहित कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों का तेजी से शिकार होते जा रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं गड़बड़ होती लाइफस्टाइल और खान-पान से संबंधित दिक्कतों के कारण बीमारियों का खतरा काफी बढ़ गया है। जिस तरह से लोगों में नींद की कमी या नींद से संबंधित समस्याएं बढ़ती जा रही हैं इसके कारण भविष्य में इस तरह की बीमारियों के मामले और भी बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

अध्ययनकर्ताओं ने बताया कि जिन लोगों की नींद अक्सर पूरी नहीं होती है उनमें अन्य लोगों की तुलना में क्रोनिक बीमारियों का जोखिम अधिक हो सकता है। नींद न आना या अनिद्रा के कारण व्यक्ति को सोने में कठिनाई होती है, रात में बार-बार नींद टूट जाती है या फिर काफी कोशिशों के बाद भी नींद नहीं आती है। अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं तो समय रहते किसी विशेषज्ञ से मिलकर उपचार करा लें, वरना इसके गंभीर दुष्प्रभाव हो सकते हैं।

अनिद्रा और इसके कारण होने वाली दिक्कतें

शोध बताते हैं कि विश्वभर में लाखों लोग अनिद्रा से प्रभावित हैं, यह मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल सकती है। अनिद्रा के कई कारण हो सकते हैं, तनाव और चिंता जैसे नौकरी, पारिवारिक समस्याएं, वित्तीय संकट या अन्य तनावपूर्ण स्थितियां नींद में बाधा डाल सकती हैं। इसी तरह से हृदय रोग, डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, अस्थमा जैसी बीमारियां भी अनिद्रा को जन्म दे सकती हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अगर आपको इन बीमारियों के कारण लंबे समय तक अनिद्रा की दिक्कत रहती है तो नींद न आने की स्थिति इन बीमारियों की जटिलताओं को और भी बढ़ा देती है।

अनिद्रा के कारणों की समय रहते करें पहचान

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अनिद्रा के कारणों को जानना और समय रहते इसका इलाज कराना बहुत आवश्यक है। अगर तनाव-चिंता या किसी अन्य चिकित्सा स्थितियों के कारण नींद न आने की समस्या है तो इसके लिए मनोवैज्ञानिक चिकित्सा की जरूरत होती है। डॉक्टर कहते हैं, नींद न आने की स्थिति में खुद से ही लोग नींद की गोलियां लेना शुरू कर देते हैं, इसके कई गंभीर नुकसान हो सकते हैं।

खुद से तो नहीं लेते हैं नींद की दवा?

तेजी से भागती दुनिया में लोगों के रातों की नींद गायब हो जा रही है, कई लोग इस समस्या से निपटने के लिए नींद की दवाइयों का सहारा लेते हैं। ऐसी दवाएं एक आसान समाधान हो सकती हैं, लेकिन विशेषज्ञ इसके दीर्घकालिक गंभीर जोखिमों को लेकर आगाह करते हैं।

निद्रा चिकित्सा के विशेषज्ञ डॉ. मीर फैजल ने खुद से ही नींद की दवा लेने को लेकर लोगों को सावधान किया है। ये दवाएं मस्तिष्क से लेकर हृदय और गुर्दे तक शरीर की विभिन्न प्रणालियों को नुकसान पहुंचा सकती हैं।

स्लीपिंग पिल्स के हो सकते हैं गंभीर नुकसान

स्वास्थ्य विशेषज्ञ ने चेतावनी दी है कि ऐसी दवाइयों के दुष्प्रभाव शुरू में गंभीर नहीं होते हैं लेकिन समय के साथ दुष्प्रभाव गंभीर होने लगते हैं। जब हम इनका सेवन करते हैं, तो एक और समस्या जन्म ले सकती है। इसलिए बिना डॉक्टरी सलाह के किसी भी ऐसी दवा के सेवन से बचा जाना चाहिए। नींद न आने के सही कारणों को जानना और उसी आधार पर इलाज प्राप्त करना जरूरी है। बिना कारण जाने नींद की दवाएं लेना समस्याओं को और गंभीर बनाने वाली हो सकती है।

किचन में इस्तेमाल होने वाली ये चीजें कहीं आपको न बना दें कैंसर का मरीज? हो जाइए सावधान

रसोईघरों को किसी भी घर का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है, यहीं से हमें भोजन के रूप में जीवित रहने के लिए आवश्यक ऊर्जा मिलती है। कई रिपोर्ट्स कहते रहे हैं कि भारतीय किचन प्राकृतिक उपचार का घरेलू केंद्र रहा है, क्योंकि इसमें मौजूद मसाले और खान-पान की चीजों में अद्भुत गुण होते हैं जो आपको गंभीर बीमारियों से बचाए रखने में मददगार हो सकते हैं।

पर क्या आप जानते हैं कि यही किचन समय के साथ कैंसर जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारियों का भी घर बनाता जा रहा है? कुछ अध्ययनों में स्वास्थ्य विशेषज्ञ सावधान करते हैं कि हमारी किचन में कई ऐसी चीजों की संख्या बढ़ती जा रही हैं जिनका अधिक इस्तेमाल कैंसर के जोखिमों को बढ़ा सकता है।

अगर आपकी किचन में भी ऐसी चीजें हैं और आप भी इनका लगातार इस्तेमाल करते रहे हैं तो सावधान हो जाइए, कहीं आप भी कैंसर का शिकार न हो जाएं?

कैंसर के बढ़ते खतरे को लेकर अलर्ट

खाना पकाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कुछ बर्तनों से लेकर, किचन में प्रयोग में लाई जाने वाली कई चीजों में ऐसे तत्वों की पहचान की गई है जिसके कारण आपको कैंसर का खतरा हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हर साल लाखों लोगों की मौत का कारण बनने की वाली ये बीमारी साल-दर-साल बढ़ती ही जा रही है, जिसको लेकर सभी लोगों को अलर्ट रहने की आवश्यकता है। कहीं आप भी तो इन चीजों का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं?

नॉन-स्टिक बर्तनों का इस्तेमाल खतरनाक

रसोई में इस्तेमाल होने वाले नॉन-स्टिक कुकवेयर को कई अध्ययनों में सेहत के लिए नुकसानदायक बताया जाता रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं कि इस तरह के बर्तनों में परफ्लुओरोऑक्टेनोइक एसिड (PFOA) होता है, जो नॉन-स्टिक कोटिंग बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला रसायन है। अध्ययनों से पता चला है कि पीएफओए के कारण दीर्घकालिक रूप में कैंसर का जोखिम हो सकता है।

खाना पकाने के दौरान उच्च तापमान के संपर्क में आने पर इससे हानिकारक रसायन रिलीज होते हैं जो भले ही हमें दिखते न हों पर इससे शरीर को कई तरह से नुकसान होता है। भोजन के संपर्क में आकर ये रसायन हमारे शरीर में पहुंच जाते हैं। इसे हार्मोनल समस्याओं, प्रतिरक्षा प्रणाली में कमजोरी और संभावित रूप से कैंसर के जोखिमों को बढ़ाने वाला पाया गया है।

आप भी तो नहीं इस्तेमाल करते हैं प्लास्टिक वाली चीजें

क्या आपकी रसोई में भी प्लास्टिक के बर्तन, बोतल, कंटेनर या टिफिन हैं? अगर हां तो सावधान हो जाइए। प्लास्टिक की इन चीजों को बनाने में बिस्फेनॉल ए (बीपीए) नामक रसायन का इस्तेमाल होता रहा है जो सेहत को गंभीर रूप से क्षति पहुंचाने वाली हो सकती है। बिस्फेनॉल-ए (बीपीए) एक औद्योगिक रसायन है जिसका उपयोग प्लास्टिक की चीजों के निर्माण में किया जाता है। फूड कंटेनर, दूध की बोतलें और प्लास्टिक की पानी की बोतलें भी इससे तैयार की जाती हैं।

मैसाचुसेट्स एमहर्स्ट विश्वविद्यालय में जीवविज्ञान के प्रोफेसर एमेरिटस, आर. थॉमस जोलर कहते हैं, मस्तिष्क के विकास, थायरॉइड हार्मोन के साथ-साथ इसका प्रजनन स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर देखा गया है। इस रसायन के कारण कैंसर होने का जोखिम भी काफी बढ़ जाता है।

फ्रोजन और प्रोसेस्ड फूड्स के नुकसान

दौड़ती-भागती आजकल की जिंदगी में फ्रोजन और प्रोसेस्ड फूड्स का इस्तेमाल भी बढ़ता जा रहा है। ये चीजें फटाफट खाने के लिए तैयार हो जाती हैं। हालांकि अध्ययनकर्ताओं ने पाया है कि इसमें ट्रांस फैट और प्रिजर्वेटिव्स की अधिकता हो सकती है जो स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। अगर आप इन चीजों का सेवन अक्सर करते रहते हैं तो इससे हृदय रोग और कुछ कैंसर के खतरा हो सकता है।

एफडी पर घटने लगा ब्याज, फायदा उठाने का अंतिम अवसर

आरबीआई की ओर से लगातार दूसरी बार रेपो दर कम करने के बाद से अब बैंकों ने फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी पर ब्याज दरें घटाना शुरू कर दिया है। ऐसे में अगर आप अभी भी ज्यादा ब्याज लेना चाहते हैं तो इसका फायदा ले सकते हैं। इसका गणित बताती रिपोर्ट–

आरबीआई ने दो महीने में रेपो दर में 0.50 फीसदी की कटौती कर इसे 6 फीसदी पर ला दिया है। फरवरी में जब रेपो दर 0.25 फीसदी घटी थी, तब अधिकतर बैंकों ने न तो लोन पर ब्याज दर कम किया और न ही एफडी पर। इसका कारण यह था कि बैंकों के पास तरलता की भारी दिक्कत थी, जिसके कारण वे ज्यादा ब्याज दर के कारण जमाकर्ताओं को लुभाने का काम कर रहे थे। हालांकि, अप्रैल में जब फिर से रेपो दर 0.25 फीसदी घटी तो बैंकों ने अगले ही दिन से कर्ज और जमा पर दरें घटानी शुरू कर दी। इसका कारण यह है कि आरबीआई ने पिछले कुछ महीनों में बैंकिंग प्रणाली में 7 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम विभिन्न माध्यमों से डाली है।

तरलता बढ़ने से बैंकों ने दरें घटानी शुरू की

जब प्रणाली में अच्छी खासी तरलता आ गई है तो बैंक आगे भी एफडी पर ब्याज दरें घटाना जारी रखेंगे। आरबीआई अभी भी बैंकों में पैसा डालने के लिए तैयार है और 17 अप्रैल को 40,000 करोड़ रुपये बैंकों में डालेगा। हालांकि, हाल के समय में बैंकों की कर्ज की रफ्तार भी कम हो गई है। इससे ज्यादा जमा की जरूरत भी नहीं है। जिस तरह से आरबीआई ने अपने रुख को तटस्थ से बदलकर उदार अपनाया है, उससे आगे भी रेपो दर में कटौती होगी। जून और अगस्त में दो बार में 0.50 फीसदी कटौती की उम्मीद है। इससे बैंक फिर से जमा और कर्ज पर ब्याज दरें घटाएंगे, जिससे एफडी पर आपको कम फायदा मिलेगा।

अभी भी 7 फीसदी से ऊपर मिल रहा ब्याज

सरकारी और निजी क्षेत्र के बड़े बैंक अभी भी 7 फीसदी तक ब्याज दे रहे हैं। कुछ समय पहले तक यह 8 फीसदी था। हालांकि, छोटे बैंक अभी भी 8 फीसदी से ऊपर ब्याज दे रहे हैं। ऐसे में अगर आप 7 फीसदी से ज्यादा ब्याज पर अपना पैसा एफडी में डालना चाहते हैं तो यह अंतिम अवसर है। जून और अगस्त में यह दरें घटकर छह फीसदी तक जा सकती हैं। जिससे आपको एक लाख रुपये के एफडी पर साल में एक हजार रुपये का नुकसान हो सकता है।

विभिन्न बैंकों में जमा करें पैसा

अगर आपके पास पांच लाख रुपये है तो आपको इसे कम से कम तीन अलग-अलग बैंकों में अलग-अलग ब्याज दर पर जमा करना चाहिए। इससे आपको ब्याज ज्यादा मिलेगा। साथ ही किसी एक बैंक ने दर घटाई तो इसका नुकसान सभी पैसों पर नहीं होगा। कुछ पैसा छोटे बैंकों में भी आप कम समय के लिए एफडी कर सकते हैं।

पीएलआई का फायदा, एप्पल आईफोन का निर्यात वित्त वर्ष 26 में 2 लाख करोड़ रुपए पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का आईफोन निर्यात वित्त वर्ष 26 में बढ़कर 2 लाख करोड़ रुपए हो गया है। यह अब देश का सबसे बड़ा ब्रांडेड निर्यात बन गया है, जो कि डायमंड, ऑटोमोटिव फ्यूल और दवाइयों से भी अधिक है। देश में स्मार्टफोन की मैन्युफैक्चरिंग बढ़ने की वजह केंद्र द्वारा लाई गई प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम है, जिससे देश में बीते कुछ वर्षों में उत्पादन को बढ़ाने में मदद मिली है।

वेंडर्स की ओर से प्रशासन को दिए गए डेटा के मुताबिक, एप्पल हार्मोनाइज्ड सिस्टम (एचएस) वर्गीकरण के तहत सभी श्रेणियों में सबसे बड़ा ब्रांडेड निर्यातक है। एचएस विश्व स्तर पर कारोबार किए जाने वाले 5,000 से अधिक उत्पादों का समूह है।

वित्त वर्ष 26 में भारत से कुल 2.6 लाख करोड़ रुपए (29.4 अरब डॉलर) के स्मार्टफोन का निर्यात हुआ है, जिसमें आईफोन की हिस्सेदारी 75 प्रतिशत यानी 22 अरब डॉलर से अधिक की है। इसके बाद 14.53 अरब डॉलर के साथ ऑटोमोटिव डीजल फ्यूल सबसे बड़ा निर्यात है। वहीं, डायमंड 11.23 अरब डॉलर के साथ तीसरे, दवाइयां और मोटर गैसोलीन क्रमशः 9.98 अरब डॉलर और 8.5 अरब डॉलर के साथ चौथे और पांचवें स्थान पर है।

पीएलआई योजना के लागू होने के बाद से आईफोन के निर्यात में तीव्र वृद्धि हुई है, जो पांच वर्षों के भीतर यह शून्य स्तर से बढ़कर 2 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। वित्त वर्ष 2022 में निर्यात का मूल्य 9,351.6 करोड़ रुपए था, जो वित्त वर्ष 2023 में बढ़कर 44,269.5 करोड़ रुपए हो गया, और फिर वित्त वर्ष 2024 में बढ़कर 85,013.5 करोड़ रुपए हो गया।

इसके बाद वित्त वर्ष 2025 में निर्यात बढ़कर 1.5 लाख करोड़ रुपए हो गया, और भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार बाधाओं के बावजूद वित्त वर्ष 2026 (अप्रैल-फरवरी) में इसमें 33 प्रतिशत की और वृद्धि हुई। इसके अलावा, एप्पल ने घोषणा की है कि जॉन टर्नस 1 सितंबर, 2026 से टिम कुक के स्थान पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) का पद संभालेंगे। कुक ने इससे पहले नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को खारिज करते हुए ऐसी खबरों को 'अफवाह' बताया था और कंपनी का नेतृत्व करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई थी।

अमेरिका–ईरान में तनाव बढ़ने से कच्चा तेल 4 वर्षों के उच्चतम स्तर पर, रुपया भी डॉलर के मुकाबले कमजोर

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका-ईरान में तनाव बढ़ने की संभावना के चलते गुरुवार को कच्चे तेल की कीमत चार साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। भारतीय समयानुसार सुबह 10:22 पर बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का दाम 6.33 प्रतिशत बढ़कर 125.5 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। वहीं, डब्ल्यूटीआई क्रूड का दाम 3.35 प्रतिशत बढ़कर 110 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। इससे पहले कच्चे तेल में यह कीमतें 2022 की शुरुआत में रूस-यूक्रेन में युद्ध शुरू होने के दौरान देखी गई थीं। कच्चे तेल में तेजी ऐसे समय पर देखी गई है, जब कुछ अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अमेरिका की सेंट्रल कमांड ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान में संभावित कार्रवाई के विकल्पों के बारे में जानकारी देगी। इससे दोनों देशों में फिर से संघर्ष शुरू होने की संभावना में इजाफा हुआ है।

अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट के ब्लॉक कर रखा है, जिससे ईरान का तेल निर्यात करीब रुक गया है। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से कहा गया कि जब तक ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर कोई समझौता नहीं करता, तब तक यह नाकेबंदी नहीं हटेगी। ईरान भी पीछे हटने के तैयार नहीं है। हालांकि, वह अमेरिका के शांति के प्रस्ताव दे चुका है, जिसे ट्रंप ने ठुकरा दिया था।

इस हफ्ते की शुरुआत में मध्य पूर्व में तनाव के कारण अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैश ने 2026 की चौथी तिमाही के लिए कच्चे तेल की औसत कीमतों के अनुमान में फिर एक बार बढ़ोतरी की है। अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक का कहना है कि इस साल के अक्टूबर से दिसंबर अवधि में ब्रेंट क्रूड की कीमत औसत 90 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड का दाम औसत 83 डॉलर प्रति बैरल रह सकता है।

औसत कीमतों में संशोधन की वजह, मध्य पूर्व में लगातार तनाव बने रहने के कारण कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित रहना है। इससे पहले गोल्डमैन सैश ने 2026 की चौथी तिमाही में ब्रेंट क्रूड का दाम औसत 80 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड का दाम औसत 75 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान लगाया था। इन्वेस्टमेंट बैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि तनाव के चलते मध्य पूर्व से आने वाला लगभग 14.5 मिलियन बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल बाजार से बाहर हो गया है।

क्या जेफ्री एपस्टीन ने छोड़ा था सुसाइड नोट? 7 साल से सीलबंद, रिपोर्ट में बड़ा दावा

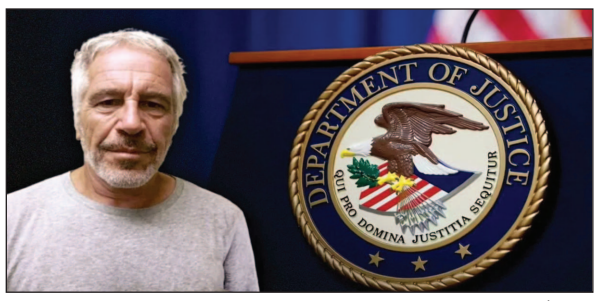

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के बदनाम फाइनेंसर और यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन की मौत से जुड़ा एक नया खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2019 में जेल में मौत से पहले लिखा गया उसका एक कथित सुसाइड नोट पिछले सात साल से सीलबंद रखा गया है और अब तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने दावा किया है कि यह नोट सबसे पहले एपस्टीन के सेलमेट निकोलस टार्टाग्लियोन को मिला था।

टार्टाग्लियोन एक पूर्व पुलिस अधिकारी है, जिसे कई हत्याओं और ड्रग्स से जुड़े मामलों में दोषी ठहराया जा चुका है और वह फिलहाल उम्रकैद की सजा काट रहा है। यह घटना जुलाई 2019 की है, जब एपस्टीन ने पहली बार आत्महत्या की कोशिश की थी। उस समय वह अपनी कोठरी में बेहोश मिला था और उसकी गर्दन पर कपड़ा लिपटा हुआ था।

ग्राफिक नॉवेल के अंदर मिला था नोट

टार्टाग्लियोन ने बताया कि उसे यह नोट उनकी कोठरी में रखी एक ग्राफिक नॉवेल के अंदर मिला था। यह नोट पीले रंग के कागज पर लिखा था, जो एक लीगल पैड से फाड़ा गया था। उस पर Time to say goodbye यानी अलविदा कहने का समय लिखा हुआ था। टार्टाग्लियोन ने यह नोट जेल अधिकारियों को देने के बजाय अपने वकीलों को दे दिया। उसके वकीलों का दावा है कि उन्होंने इस नोट की पुष्टि की, हालांकि यह साफ नहीं है कि उन्होंने ऐसा कैसे किया। टार्टाग्लियोन का कहना था कि उसे डर था कि अगर वह नोट जेल प्रशासन को देगा, तो एपस्टीन उस पर हमला करने का आरोप लगा सकता है और इसे आत्महत्या जैसा दिखा सकता है।

क्यों बाहर नहीं आया नोट?

रिपोर्ट के मुताबिक, टार्टाग्लियोन के केस की सुनवाई कर रहे फेडरल जज ने इस नोट को सीलबंद कर दिया, यानी इसे सार्वजनिक नहीं होने दिया गया। हैरानी की बात यह है कि अब तक इस नोट को न तो अमेरिकी न्याय विभाग ने जांचा है और न ही एपस्टीन की मौत की जांच करने वाली एजेंसियों ने इसे देखा है। अब इस नोट को पब्लिक करने की मांग उठ रही है। माना जा रहा है कि यह नोट एपस्टीन की मौत से जुड़े सवालों का जवाब दे सकता है।

जुलाई 2019 में दूसरी बार अरेस्ट हुआ था एपस्टीन

जेफ्री एपस्टीन को 6 जुलाई 2019 को दूसरी बार गिरफ्तार किया गया था। उस पर यौन तस्करी के गंभीर आरोप लगे थे और वह अपने मुकदमे का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान अगस्त 2019 में उसकी जेल में मौत हो गई। उसकी मौत के बाद जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर कई सवाल उठे थे। मैनहट्टन की जिस जेल में वह बंद था, उसे बाद में बंद कर दिया गया। पहले भी उसकी गर्दन पर निशान पाए गए थे, जिन्हें उसकी पहली आत्महत्या की कोशिश से जोड़ा गया था। उस समय एपस्टीन ने आरोप लगाया था कि टार्टाग्लियोन ने उस पर हमला किया था, लेकिन टार्टाग्लियोन ने इन आरोपों को हमेशा गलत बताया है।

सिर्फ 4 सेकंड में तोड़ा सुरक्षा घेरा, ट्रंप की डिनर पार्टी फायरिंग का नया CCTV वीडियो

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान हुई फायरिंग से जुड़ा एक नया CCTV वीडियो सामने आया है। इसमें दिखता है कि आरोपी कोल एलन सिर्फ चार सेकंड में होटल के दरवाजे से निकलकर सुरक्षा जांच पार कर जाता है। वीडियो में पहले आरोपी एक लंबे काले कोट में होटल के अंदर घूमता हुआ दिखाई देता है। फिर वह एक दरवाजे के अंदर जाता है और कुछ ही सेकंड बाद बिना कोट के बाहर निकलता है।

इसके बाद वह तेजी से भागते हुए मेटल डिटेक्टर पार करता है। उसके हाथ में लंबी बंदूक जैसी चीज दिखती है। इस दौरान बाग रहे आरोपी एलन पर एक एजेंट फायरिंग भी करता है। जांच के मुताबिक, उसने अपने कोट में 12-गेज शॉटगन छिपा रखी थी। हालांकि फुटेज में यह नहीं दिखता कि वह कहां गिरता है और उसे कैसे अरेस्ट किया गया। उसे अरेस्ट करने वाले एजेंट्स ने दावा किया था कि वह गिर गया था।

आरोपी की पहचान 31 साल के कोल टोमस एलन के रूप में हुई है। उस पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की कोशिश का आरोप है। उसने अभी तक कोर्ट में अपनी गलती स्वीकार नहीं की है। जांच एजेंसियों का कहना है कि एलन ने घटना से एक दिन पहले होटल में रुककर पूरी जगह की रेकी की थी। वह होटल के गलियारों और जिम में घूमता हुआ भी कैमरे में दिखा। घटना के समय ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और कई बड़े अधिकारी वहां मौजूद थे। जैसे ही गोली चलने की आवाज आई, सभी को तुरंत सुरक्षित जगह पर ले जाया गया। वीडियो में यह भी दिखता है कि एक सुरक्षा अधिकारी आरोपी की ओर गोली चलाता है। हालांकि यह साफ नहीं है कि आरोपी ने भी उसी समय गोली चलाई या नहीं।

कुछ अधिकारियों का कहना है कि आरोपी ने सीढ़ियों की तरफ शॉटगन से फायर किया था। एक सीक्रेट सर्विस अधिकारी की बुलेटप्रूफ जैकेट पर गोली लगी, लेकिन वह गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ। अभी यह जांच चल रही है कि गोली आरोपी ने चलाई थी या किसी अन्य सुरक्षाकर्मी की थी। अगर वह सीढ़ियों ने नीचे उतरता तो सीधे बॉलरूम तक पहुंच सकता था, जहां हाई-प्रोफाइल इवेंट चल रहा था। हालांकि इससे पहले ही उसे पकड़ा लिया गया। सीक्रेट सर्विस के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने बहुत नजदीक से फायर किया था। जवाब में अधिकारी ने भी गोली चलाई। इसी दौरान आरोपी का पैर फिसला या टकराया और वह गिर गया। इसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने उसे पकड़ लिया। एलन पर कई गंभीर आरोप लगे हैं, जैसे हत्या की कोशिश, हथियार लेकर दूसरे राज्य में जाना और हिंसक अपराध के दौरान फायरिंग करना।

दुबई जाने वाले भारतीयों के लिए खुशखबरी, पहुंचते ही मिनटों में खुल जाएगा डिजिटल बैंक अकाउंट

यूएई। अब UAE जाने वाले लोगों के लिए खुशखबरी है। अधिकारियों के मुताबिक, यहां आने वाले विजिटर्स के लिए नई सर्विस शुरू की गई है। यहां आने वाले लोग 'टूरिस्ट आइडेंटिटी' पहल का इस्तेमाल करके कुछ ही मिनटों में डिजिटल बैंक अकाउंट खोल सकते हैं। UAE के सेंट्रल बैंक (CBUAE) ने फेडरल अथॉरिटी फॉर आइडेंटिटी, सिटिजनशिप, कस्टम्स एंड पोर्ट सिक्योरिटी (ICP) और अबू धाबी कमर्शियल बैंक (ADCB) के साथ मिलकर बताया कि ये सर्विस गैर-निवासी विजिटर्स को पूरी तरह से डिजिटल प्रक्रिया के जरिए तुरंत और सुरक्षित रूप से अकाउंट खोलने की सुविधा देगी।

पहले जो लोग UAE के रहने वाले नहीं थे और जो लोग वहां घूमने आते थे, वे कुछ खास तरह के UAE बैंक अकाउंट खोल सकते थे, लेकिन इस प्रक्रिया में बहुत सारे डॉक्यूमेंट्स की जरूरत पड़ती थी। अब इस प्रक्रिया को एक आधिकारिक डिजिटल पहचान-आधारित मॉडल में बदल दिया गया है। अब इस सुविधा के जरिए कुछ ही मिनटों में अपना बैंक अकाउंट खोल सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस कदम का मकसद वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना और देश में डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम को तेजी से आगे बढ़ाना है, साथ ही नकद लेन-देन पर निर्भरता को कम करना है।

CBUAE में बैंकिंग ऑपरेशंस और सपोर्ट सर्विसेज के असिस्टेंट गवर्नर, सैफ हुमैद अल जाहिरी ने कहा कि इस पहल के जरिए UAE आने वाले लोग देश के राष्ट्रीय पेमेंट इकोसिस्टम से जुड़ पाते हैं, जिसमें जयवान कार्ड स्कीम और तुरंत पेमेंट करने वाला प्लेटफॉर्म आनी भी शामिल है। उन्होंने कहा कि ये पहल व्यापार करने में आसानी को बढ़ाने में मदद करती है और UAE में आने वाले लोगों को उनके वहां पहुंचते ही, एक एकीकृत और सुरक्षित बैंकिंग अनुभव प्रदान करती है।

ICP में नागरिकता विभाग के कार्यवाहक महानिदेशक, मेजर जनरल सुहैल जुमा अल खैली ने कहा कि यह सिस्टम कई अलग-अलग क्षेत्रों को उन्नत पहचान तकनीकों का इस्तेमाल करके, UAE आने वाले लोगों को बिना किसी रुकावट के अपनी सर्विस देने में सक्षम बनाता है। ADCB ग्रुप के CEO, अलाआ एरिकत ने कहा कि बैंक की इस पहल में भागीदारी, बैंकिंग क्षेत्र में हो रहे नवाचारों को UAE की पर्यटन अर्थव्यवस्था के साथ जोड़ने और एक वैश्विक वित्तीय केंद्र के तौर पर देश के आकर्षण को और ज्यादा बढ़ाने के प्रयासों को जाहिर करती है।

अमेरिका ने जारी की 2026 की स्पेशल 301 रिपोर्ट, इस बार निशाने पर वियतनाम, लिस्ट में भारत का भी नाम

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने अपनी सालाना स्पेशल 301 रिपोर्ट जारी की है। यह रिपोर्ट दुनिया के अलग-अलग देशों में इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स जैसे पेटेंट, कॉपीराइट और ट्रेडमार्क की सुरक्षा और उसके पालन की स्थिति जांचने के लिए बनाई जाती है। इस बार की रिपोर्ट में वियतनाम को सबसे सख्त श्रेणी में रखा गया है, जबकि भारत का नाम भी अहम सूची में शामिल है।

अमेरिका का ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव ऑफिस (USTR) हर साल इस रिपोर्ट के जरिए अपने ट्रेड पार्टनर देशों की समीक्षा करता है। इस साल USTR ने 100 से ज्यादा देशों का आकलन किया। रिपोर्ट में वियतनाम को प्रायोरिटी फॉरेन कंट्री (PFC) घोषित किया गया है, जो सबसे गंभीर श्रेणी होती है। इसका मतलब है कि अमेरिका को वियतनाम की IP पॉलिसीज से बड़ी समस्या है। अब USTR अगले 30 दिनों में यह तय करेगा कि वियतनाम के खिलाफ ट्रेड एक्ट 1974 के सेक्शन 301 के तहत जांच शुरू की जाए या नहीं।

भारत प्रायोरिटी वॉच लिस्ट में

भारत को इस बार प्रायोरिटी वॉच लिस्ट में रखा गया है। इस लिस्ट में कुल 6 देश हैं, जिनमें चिली, चीन, भारत, इंडोनेशिया, रूस और वेनेजुएला शामिल हैं। इन देशों में IP अधिकारों की सुरक्षा को लेकर अमेरिका को गंभीर चिंता है और आने वाले समय में इनके साथ इस मुद्दे पर गहन बातचीत की जाएगी।

इसके अलावा 19 देशों को वॉच लिस्ट में रखा गया है। इनमें अल्जीरिया, अर्जेंटीना, ब्राजील, कनाडा, मिस्र, पाकिस्तान, मेक्सिको, यूरोपीय संघ, थाईलैंड और तुर्किये जैसे देश शामिल हैं। इन देशों में भी IP से जुड़ी समस्याएं हैं, लेकिन इन्हें प्रायोरिटी वॉच लिस्ट से कम गंभीर माना गया है।

EU को पहली बार वॉच लिस्ट में डाला

इस साल की रिपोर्ट में कुछ बदलाव भी किए गए हैं। अर्जेंटीना और मेक्सिको को सुधार के कारण प्रायोरिटी वॉच लिस्ट से हटाकर वॉच लिस्ट में डाल दिया गया है। वहीं यूरोपीय संघ को पहली बार वॉच लिस्ट में शामिल किया गया है, जबकि बुल्गारिया को इस सूची से बाहर कर दिया गया है। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि उनके लिए अपने इनोवेटर्स, क्रिएटर्स और ब्रांड्स की सुरक्षा बहुत जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर किसी देश में IP अधिकारों का सही तरीके से पालन नहीं होता है, तो अमेरिका कार्रवाई कर सकता है। 2026 की स्पेशल 301 रिपोर्ट से साफ है कि अमेरिका IP अधिकारों को लेकर सख्त है और जिन देशों में कमी पाई जाएगी, उन पर आगे दबाव बनाया जा सकता है।

ईडी का 70वां स्थापना दिवस... निदेशक ने बताया क्या हैं नई चुनौती, पिछले साल कितने करोड़ की संपत्ति हुई अटैच?

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी के 70वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में ईडी निदेशक राहुल नवीन ने एजेंसी की उपलब्धियों, चुनौतियों और भविष्य की रणनीति पर विस्तार से बात की। इस दौरान केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। निदेशक राहुल नवीन ने कहा कि देश में आर्थिक अपराधों का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। पहले जहां जांच एजेंसियों का फोकस बैंक फ्रॉड, बड़े कॉरपोरेट घोटालों और रियल एस्टेट धोखाधड़ी पर रहता था, वहीं अब क्रिप्टोकरेंसी फ्रॉड, साइबर अपराध, आतंकियों की फंडिंग, ड्रग्स तस्करी और देश विरोधी गतिविधियां

बड़ी चुनौती बनकर सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि ईडी ने इन बदलती चुनौतियों के हिसाब से अपनी जांच प्रणाली को मजबूत किया है।

निदेशक ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान ईडी ने PMLA के तहत 812 अभियोजन शिकायतें यानी चार्जशीट दाखिल कीं, जिनमें 155 सप्लीमेंट्री चार्जशीट भी शामिल हैं। ये आंकड़ा पिछले साल की तुलना में लगभग दोगुना है। उन्होंने कहा कि पिछले दो सालों में एजेंसी ने अपने कुल मामलों का 41 फीसदी हिस्सा दर्ज किया है, जो जांच की बढ़ती रफ्तार को दिखाता है।

'मनी लॉन्ड्रिंग मामलों की जांच बहुत मुश्किल'

निदेशक ने दावा किया कि ईडी की दोषसिद्धि दर 94 प्रतिशत है और ट्रायल कोर्ट में लंबित 2400 से ज्यादा मामलों में ज्यादातर आरोपियों को सजा मिलने की उम्मीद है। निदेशक ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों की जांच बेहद जटिल होती है क्योंकि इनमें कई देशों तक फैले लेनदेन, फर्जी कंपनियां और नई तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है। ईडी निदेशक ने कहा कि एजेंसी का काम सिर्फ आरोपियों को सजा दिलाना नहीं बल्कि अपराध से अर्जित संपत्ति को जब्त करना भी है ताकि अपराधी उस पैसे का इस्तेमाल आगे अपराध करने में न कर सकें। उन्होंने बताया कि पिछले वित्त वर्ष में ईडी ने 81,422 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच की, जो पिछले साल के मुकाबले 170 फीसदी ज्यादा है। अब तक कुल 2। 36 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि 2019 में PMLA कानून में बदलाव के बाद ट्रायल के दौरान ही पीड़ितों को राहत देने का रास्ता आसान हुआ है। इसी के तहत अब तक 63,142 करोड़ रुपये बैंकों, निवेशकों और घर खरीदारों को लौटाए जा चुके हैं। उन्होंने PACL और उदयपुर रियल एस्टेट केस का उदाहरण देते हुए कहा कि हजारों लोगों को उनकी संपत्ति वापस दिलाई गई।

'अपराधी लगातार नए तरीके अपना रहे'

भगोड़ा आर्थिक अपराधी कानून (FEOA) का जिक्र करते हुए निदेशक ने बताया कि 31 मार्च 2026 तक 54 लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई, जिनमें से 21 को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया जा चुका है। इस कानून के तहत 2,178 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की बढ़ती भूमिका पर भी उन्होंने जोर दिया।

पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, कांग्रेस नेता को मिली अग्रिम जमानत

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा को आज शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से सशर्त अग्रिम जमानत मिल गई है। साथ ही कोर्ट ने आदेश दिया कि जांच के दौरान उन्हें सहयोग करना होगा। खेड़ा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी पर कई पासपोर्ट और विदेश में अघोषित संपत्तियां होने के आरोपों से जुड़े मामले में अग्रिम जमानत मांगी थी। कल गुरुवार को इस मामले में सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

सुप्रीम कोर्ट में कल सुनवाई के दौरान जस्टिस जे। के। महेश्वरी और जस्टिस ए। एस। चंदुरकर की बेंच ने कांग्रेस नेता की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। खेड़ा ने अपना पक्ष रखते हुए कहा था कि यदि उन्हें दर्ज मामले में अग्रिम जमानत नहीं दी जाती है, तो गिरफ्तारी पूर्व जमानत का पूरा मकसद ही खत्म हो जाएगा।

'गिरफ्तार कर अपमानित करना जरूरी नहीं'

कांग्रेस नेता खेड़ा की ओर से कोर्ट में पेश सीनियर एडवोकेट अभिषेक सिंघवी ने कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप सुनवाई के विषय हैं और उन्हें गिरफ्तार कर अपमानित करना आवश्यक नहीं है। साथ ही उन्होंने यह भी दलील दी कि उनके खिलाफ लगाई गई धाराओं में से कुछ जमानती भी हैं, जबकि अन्य में गिरफ्तारी की जरूरत नहीं है। हालांकि असम सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि पवन खेड़ा ने सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी के पासपोर्ट की फर्जी और छेड़छाड़ की गई प्रतियां पेश की हैं। खेड़ा फरार हैं और लगातार वीडियो जारी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री की पत्नी की कई नागरिकताएं होने के सभी आरोप भी गलत हैं। मेहता ने कोर्ट से कहा कि अमेरिका में रजिस्टर्ड एक कंपनी से संबंधित कुछ फर्जी दस्तावेज भी दिखाए गए और खेड़ा से हिरासत में पूछताछ यह पता लगाना जरूरी है कि उनके साथ और कौन लोग हैं, साथ ही यह जानने के लिए भी कि क्या शिकायतकर्ता के नाम पर पासपोर्ट बनाने में विदेशी लोगों का हाथ है। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस द्वारा जुटाई गई पूरी जानकारी इस समय बताई नहीं जा सकती।

गुवाहाटी HC ने जमानत से किया था इनकार

कांग्रेस नेता खेड़ा ने पिछले महीने 24 अप्रैल के गुवाहाटी हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। उनकी ओर से लगाए गए आरोपों के बाद सीएम सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां शर्मा ने खेड़ा और अन्य के खिलाफ गुवाहाटी क्राइम ब्रांच थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की अलग-अलग धाराओं के तहत आपराधिक मामले दर्ज कराए थे। इससे पहले तेलंगाना हाई कोर्ट ने खेड़ा को 7 दिन की ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी थी, लेकिन असम पुलिस इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई। शीर्ष अदालत ने अंतरिम आदेश देते हुए ट्रांजिट अग्रिम जमानत पर रोक लगा दी थी और खेड़ा को गुवाहाटी हाई कोर्ट जाने को कहा था।

भूत बंगला के 100 करोड़ी बनने पर खुशी से झूमीं वामिका गब्बी, कुछ इस अंदाज में मनाया जश्न

वामिका गब्बी की हॉरर कॉमेडी भूत बंगला में अक्षय कुमार के साथ लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आई है। उनकी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है और एक न्यू एक्ट्रेस के लिए इससे बड़ी खबर और कोई नहीं हो सकती। अक्षय कुमार और प्रियदर्शन के इस रीयूनियन प्रोजेक्ट ने अपने दूसरे सोमवार तक यह मील का पत्थर हासिल कर लिया, जिसके बाद वामिका ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर जाकर एक प्यारा सा नोट लिखा, जिसमें उन्होंने अपने फैंस और भूत बंगला की टीम को धन्यवाद दिया।

वामिका ने इंस्टाग्राम पर भूत बंगला के सेट से कास्ट और क्रू के साथ बीटीएस तस्वीरों की एक सीरीज शेयर की, और फिल्म की सफलता का जश्न मनाया। इस सीरीज को एक उन्होंने एक प्यारे से नोट के साथ जोड़ा, जिसमें उन्होंने डायरेक्टर, एक्टर समेत पूरी टीम का शुक्रियाअदा किया।

वामिका ने अपनी खुशी की असल वजह बताते हुए नोट की शुरुआत में लिखा है, मेरी पहली 100 करोड़ की फिल्म। प्रियदर्शन, अक्षय कुमार, एकता कपूर और पूरी कास्ट और क्रू की आभारी हूं। यह शब्दों से परे है। इन्होंने इस फिल्म पर भरोसा किया और अपना सब कुछ दे दिया। भूत बंगला जितनी हमारी है, उतनी ही आपकी भी है।

दर्शकों का शुक्रियाअदा करते हुए एक्ट्रेस ने आगे लिखा है, इसे देखने, इसे महसूस करने, और धीरे-धीरे इसके लिए।।। और मेरे लिए जगह बनाने के लिए दर्शकों का धन्यवाद। यहां का हर कदम कमाया हुआ, सीखा हुआ और दिल से महसूस किया हुआ है। यह तो बस शुरुआत है। मैं आती रहूंगी, आगे बढ़ती रहूंगी और आपका मनोरंजन करती रहूंगी, हमेशा। भूत बंगला के कलेक्शन के बारे में बात करें तो यह फिल्म 200 करोड़ के करीब पहुंच गई है।

मेकर्स द्वारा शेयर किए गए आंकड़ों के अनुसार, भूत बंगला ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 197।95 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। जल्द ही यह 200 करोड़ के क्लब में शामिल हो जाएगी।

वामिका ने अपने करियर की शुरुआत टीनएजर के तौर पर इम्तियाज अली की फिल्म जब वी मेट से की थी, जिसमें उन्होंने करीना कपूर की कजिन का किरदार निभाया था। लव आज कल और मौसम जैसी फिल्मों में छोटे-मोटे रोल करने के बाद, उन्हें 2013 में आई फिल्म सिक्सटीन में अपना पहला लीड रोल मिला। इसके बाद उन्होंने पंजाबी, तमिल और मलयालम सिनेमा में अपनी पहचान बनाई। आज वह हिंदी सिनेमा की जानी-मानी एक्ट्रेस बन चुकी हैं।

सास-बहू से हटकर सोशल मैसेज देने वाले टीवी सीरियल हुए चर्चित, 'दीया और बाती हम' के अलावा ये नाम हैं शामिल

सास-बहू के ड्रामा से हटकर भी टीवी पर ऐसे हिंदी सीरियल भी बने हैं, जिनमें सोशल मैसेज दिया गया। जानिए, ऐसे ही कुछ चर्चित टीवी सीरियल के बारे में जो अपने सोशल मैसेज के लिए याद की जाते हैं।

जल्द ही टीवी पर एक सीरियल 'मेरी भव्य लाइफ' टेलीकास्ट होगा। इस सीरियल में एक मोटी लड़की की कहानी है। सीरियल में बॉडी शेमिंग जैसे सब्जेक्ट पर बात की जा रही है। एक लड़की में कई गुण हो सकते हैं लेकिन लोग सिर्फ उसका मोटापा ही देखते हैं। इस सीरियल से पहले भी कई टीवी सीरियल में महिलाओं की समस्याओं को दिखाया गया, साथ ही दर्शकों को सोशल मैसेज भी दिया गया। जानिए, ऐसे ही कुछ चर्चित सीरियल के बारे में।

दीया और बाती हम

टीवी एक्ट्रेस दीपिका सिंह ने सीरियल 'दीया और बाती हम' में एक ऐसी लड़की का रोल निभाया था, जो पुलिस ऑफिसर बनना चाहती है। सीरियल में दीपिका का किरदार संध्या शादी के बाद अपने सपने को पूरा करता है, इससे ख्वाब को पूरा करने में उसका पति भी साथ देता है।

क्या कसूर है अमला का

यह सीरियल एक रेप विक्टिम की कहानी थी। इसमें अमला नाम की लड़की अपने साथ हुए अत्याचार के खिलाफ लड़ती है, न्याय हासिल करती है। साथ ही अमला आगे चलकर एक नॉर्मल लाइफ भी जीती है। सीरियल में लीड रोल पंखुडी अवस्थी ने किया था।

अफसर बिटिया

सीरियल 'अफसर बिटिया' में एक गरीब परिवार की लड़की के बीडीओ बनने की कहानी है। तमाम संघर्षों को पार करके वह एक सरकारी ऑफिसर बनती है। सीरियल में लीड रोल में मिताली नाग नजर आईं। यह सीरियल में इंग्लिश में डब भी किया गया था।

बालिका वधू

'बालिका वधू' तो टीवी का सबसे हिट सीरियल रहा है। यह सीरियल बाल विवाह की कड़वी सच्चाई को दिखाता है। सीरियल में एक बच्ची आनंदी (अविका गौर) का बाल विवाह होता है, इसके बाद उसके जीवन में कैसे उतार-चढ़ाव आते हैं? कैसे वह अपने सपनों को पूरा करती है? कैसे वह पढ़ाई करती है? यही सब सीरियल में दिखाया गया। आखिर में यह सीरियल बाल विवाह का खूब विरोध करता है।

गंगा

सीरियल 'गंगा' में भी बाल विवाह का विरोध दिखाया गया। साथ ही विधवा विवाह का समर्थन किया गया। सीरियल में गंगा के रोल में अदिति शर्मा दिखीं। साथ ही इस सीरियल में हितेन तेजवानी भी दिखें, वह एक वकील के रोल में थे। सीरियल में हीरो का रोल विशाल वशिष्ठ ने किया था।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti।com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail।com